डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 84 | पेज: 8 | जयपुर, सोमवार, 03 मार्च 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

खबर संक्षेप

हरियाणा चुनाव में 46% वोटिंग, नतीजे 12 को

चंडीगढ़। हरियाणा में 9 नगर निगम समेत 40 निकायों के लिए रविवार को वोटिंग हुई। चुनाव आयोग के मुताबिक 6 बजे तक 46 फीसदी वोटिंग हुई है। इसमें बदलाव संभव है। रोहतक में झड़प को छोड़कर लगभग सभी जगह मतदान शांतिपूर्वक हुआ है। सबसे अधिक फतेहाबाद में 84.6 और सबसे कम 26.4 फीसदी मतदान सोनीपत में हुआ।

रमजान पर पीएम मोदी और राहुल ने दी बधाई

नई दिल्ली। इस्लाम धर्म का सबसे पवित्र महीना 'रमजान' शुरू हो गया है। शनिवार शाम चांद दिखने के बाद 'रमजान' के पवित्र महीने का रविवार से आगाज हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को 'रमजान' की बधाई दी है। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा किरमजान का पवित्र महीना शुरू हो रहा है। यह समाज में शांति और सद्भाव लेकर आएगा। राहुल गांधी ने भी बधाई दी है।

नए सूटकेस में ठूंसकर डाली थी महिला की लाश

रोहतक। यहां के सांपला बाइपास पर कांग्रेस की युवा महिला कार्यकर्ता का सूटकेस में मिला शव कई बड़े सवाल उठा रहा है। इसमें युवती की हत्या के बाद शव को सांपला ले जाकर फेंकना अपने आप में बड़ा सवाल है। यह काम किसी एक व्यक्ति का न होकर इसमें कई लोगों के शामिल होने का अंदेशा है।शव के लिए नया सूटकेस खरीदना भी मामले को गंभीर बनाता है।

झांसी में पेट्रोल पंप पर विस्फोट, 3 कर्मी झुलसे

झांसी। इलाइट-चित्रा मार्ग पर स्थित एक पेट्रोल पंप पर रविवार दोपहर अचानक धमाका हो गया। ब्लास्ट से 3 कर्मचारी झुलस गए। एक कर्मचारी की हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद पंप पर भगदड़ मच गई। घटना उस समय हुई, जब पेट्रोल पंप के सीएनजी पंप पर मशीन को लगाने का काम चल रहा था। गैस रिसाव होने के बाद यह धमाका हो गया।

हाईकोर्ट के जज की कार पुलिस वाहन से टकराई

देवरिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश राजीव कुमार सिंह को ले जा रही कार देवरिया में पुलिस 'एस्कॉर्ट' वाहन से टकरा गयी। गनीमत रही कि इसमें कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ। कोतवाली थाना क्षेत्र में सिविल लाइंस रोड पर सुभाष चौक पर न्यायाधीश की कार अपने आगे चल रहे पुलिस 'एस्कॉर्ट' वाहन से टकरा गई।

बसपा में घमासान: सुप्रीमो मायावती ने बड़ा फैसला लेकर किया 'समाधान'

आकाश आनंद को सभी पदों से हटाकर उनके भाइयों को बना दिया 'नेशनल कोऑर्डिनेटर'

एजेंसी ⏭ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में कभी राज करने वाली बसपा में आज घमासान चल रहा है। रविवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने बड़ा फैसला सुनाया। उन्होंने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया। आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ के निष्कासन के बाद उनका यह दूसरा बड़ा फैसला है।

विशेष बात यह है कि आकाश के भाई आनंद कुमार और रामजी गौतम को बड़ी जिम्मेदारी दी। दोनों को नेशनल कोआर्डिनेटर बनाया गया है। इस मौके पर मायावती ने कहा कि अब मेरे जिंदा रहने तक कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। पार्टी और मूवमेंट के हित में रिश्ते नातों का कोई महत्व नहीं है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि अब मैंने खुद भी यह फैसला लिया है कि मेरे जीते जी व मेरी आखिरी सांस तक भी अब पार्टी में मेरा कोई भी उत्तराधिकारी नहीं होगा। जिस फैसले का पार्टी के लोगों ने दिल से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मेरे लिए पार्टी व मूवमेन्ट पहले है। भाई-बहन व उनके बच्चे तथा अन्य रिश्ते नाते आदि सभी बाद में हैं।

आकाश के ससुर अशोक के निष्कासन के बाद यह बड़ी कार्रवाई

मेरे जिंदा रहने तक कोई नहीं होगा उत्तराधिकारी

पार्टी और मूवमेंट के हित में रिश्ते नातों का कोई महत्व नहीं

गैर-राजनैतिक परिवार के साथ ही करेंगे रिश्ता

मायावती ने कहा कि आनंद कुमार के बारे में मैं यह भी अवगत कराना चाहती हूं कि वर्तमान में बदले हुए हालात में पार्टी व मूवमेंट के हित में अब इन्होंने अपने बच्चों का रिश्ता भी गैर-राजनैतिक परिवार के साथ ही जोड़ने का फैसला लिया है ताकि अशोक सिद्धार्थ की तरह अब आगे कभी भी अपनी पार्टी को किसी भी प्रकार से कोई नुकसान आदि न हो सके।

सिद्धार्थ पर जमकर बरसीं

मायावती ने कहा कि अशोक सिद्धार्थ को, जो आकाश के ससुर भी हैं, उसे अब पार्टी व मूवमेन्ट के हित में पार्टी से निकाल कर बाहर किया है जिसने उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में पार्टी को दो गुटों में बांटकर इसे कमजोर करने का घिनौना कार्य किया है, जो कतई बर्दाश्त करने लायक नहीं है। यह सब उनकी लड़के की शादी में भी देखने के लिए मिला है। जहां तक इस मामले में आकाश आनन्द का सवाल है तो आपको यह मालूम है कि अशोक सिद्धार्थ की लड़की के साथ इनकी शादी हुई है। अब अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकालने के बाद उस लड़की पर अपने पिता का कितना प्रभाव पड़ता है तथा आकाश पर भी उसकी लड़की का कितना प्रभाव पड़ता है तो यह सब भी अब हमें काफी गम्भीरता से देखना होगा जो अभी तक कतई भी पॉजिटिव नहीं लग रहा है।

अशोक को जिम्मेदार ठहराया

ऐसे में पार्टी व मूवमेंट के हित में आकाश आनन्द को पार्टी की सभी जिम्मेदारियों से अलग कर दिया गया है। जिसके लिए पार्टी नहीं बल्कि पूर्ण रूप से इसका ससुर अशोक सिद्धार्थ ही जिम्मेदार है, जिसने पार्टी को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ आकाश के राजनीतिक कैरियर को भी खराब कर दिया है।

पार्टी कार्यक्रमों के लिए जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए

इसी परिपेक्ष्य में उन्होंने पार्टी के लोगों को यह भी विश्वास दिलाया है कि जब तक मैं जिंदा रहूंगी तो तब तक मैं अपनी आखिरी सांस तक भी अपनी पूरी ईमानदारी व निष्ठा से पार्टी को आगे बढ़ाने का हर संभव पूरा-पूरा प्रयास करती रहूंगी। उन्होंने समीक्षा के दौरान कमियों को दूर करके आगे के पार्टी कार्यक्रमों के लिए जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए।

सपा-भाजपा एक ही सिक्के के दो पहलू

बसपा सुप्रीमो ने मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव नहीं लड़ने के फैसले के बावजूद समाजवादी पार्टी की हार का उल्लेख करते हुए कहा कि अब इसके लिए सपा किसको जम्मिदार ठहराएगी क्योंकि पिछले उपचनुाव में पार्टी की हार के लिए सपा ने बसपा को जिम्मेदार ठहराने का मिथ्या प्रचार किया था। जबकि कुल मिलाकर, सपा और भाजपा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और भाजपा व अन्य जातिवादी पार्टियों को केवल आंबेडकरवादी नीति व सिद्धांत वाली बसपा ही पराजित कर सकती है, यह बात पूरे देश के सर्वसमाज के लोगों को जरूर समझना चाहिए।

सरमा का राहुल और ममता पर निशाना

हिंदुओं को मुसलमान-ईसाई से नहीं, लेफ्ट लिबरल से खतरा

वे खुद खत्म हो जाएंगे पर हिंदू धर्म नहीं

एजेंसी ⏭ गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को मुसलमान और ईसाई से नहीं, बल्कि लेफ्ट लिबरल से खतरा है। हिमंत ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ लोगों का भाषण जब मैं सुनता हूं तो वे समझते हैं कि जब से हमने संविधान को स्वीकार किया तब से भारत वर्ष की शुरुआत हुई, पर ऐसा बिलकुल भी नहीं है।

भारत एक सभ्यता है जो 5000 वर्ष पुरानी है। औरंगजेब जिसने प्रण किया था कि वह हिंदू धर्म को खत्म करेगा, हिंदू धर्म को खत्म नहीं कर पाया, लेकिन खुद खत्म हो गया। अगर राहुल और ममता सोचते हैं कि हिंदू खत्म हो जाएगा तो मैं तो कहूंगा आप खत्म हो जाएंगे हिंदू धर्म नहीं।

2014 के पहले तो हालात गंभीर थे

धीरे-धीरे लेफ्ट और लिबरल लोगों ने इस देश को घेर लिया था, फिर ऐसे ही लोगों को पद्मश्री मिली जो खासकर हिंदुओं के खिलाफ बोलती थीं। 2014 तक ऐसा लगा कि देश अब उबर नहीं पाएगा। इतने स्कैम हुए हिंदुओं को कटघरे में खड़ा किया गया और कहा गया कि हिंदू मत बोलो सेकुलर बोलो और देश के प्रधानमंत्री ने यहां तक बोला कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार माइनॉरिटी का होगा, लेकिन यदा-यदा ही धर्मस्य और हमारे पास मोदी आए। मैं नहीं मानता कि मुसलमान और ईसाई से हिंदुओं को खतरा है। मैं ऐसा कभी नहीं मानता। दरअसल, ये दोनों भारत में अल्पसंख्यक हैं। हिंदुओं को खतरा खुद हमारे समाज से है।

हिंदुओं को कमजोर किया जा रहा

मैं मानता हूं कि हमें सबसे ज्यादा खतरा है लेफ्ट और लिबरल लोगों से है। ये जो बंगाल की आज हालत है। हिंदुओं को यहां कमजोर किया गया। ममता को तो यह विरासत में मिला, लेकिन इसके लिए जिम्मेदार तो लेफ्ट और लिबरल है और आज इस विरासत का ट्रीटमेंट उनको मिल रहा है, मेरी उनसे संवेदना है। आपने हिंदुओं को गोमांस खाना सिखाया, लेकिन आप भूल गए कि हमारे पूर्वज अगर गाय का दूध नहीं पीया होता तो आज हमारा जन्म नहीं होता। मैं हमेशा मानता हूं कि जब तक भारत ने हिंदू सुरक्षित रहेगा, तब तक अन्य धर्म भी सुरक्षित रहेंगे।

तेलंगाना में सुरंग में फंसे लोगों को निकालने की जद्दोजहद

आज कन्वेयर बेल्ट की हो जाएगी मरम्मत

गाद हटाने के प्रयास तेज, यहां कर्मियों और उपकरणों की तैनाती भी बढ़ाई गई

कीचड़ और मलबा हटाने में हो रही दिक्कत

एजेंसी ⏭ नगरकुरनूल

तेलंगाना में सुरंग में फंसे लोगों को निकालने के प्रयास जारी हैं। अब गाद हटाने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। कर्मियों और उपकरणों की तैनाती बढ़ा दी है। क्षतिग्रस्त कन्वेयर बेल्ट को भी ठीक किया जा रहा है और सोमवार तक मरम्मत होने की उम्मीद है। इसके बाद ही सुरंग से कीचड़ और मलबा हटाना आसान हो जाएगा, जिससे लापता लोगों को ढूंढने में भी आसानी होगी।

बचाव अभियान में बड़े पैमाने पर जुटे कर्मचारी : बचाव अभियान में 18 संगठन, 54 अधिकारी और 703 कर्मी लगे हुए हैं। 22 फरवरी से श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल सुरंग की छत ढह जाने से उसमें 8लोग फंस गए थे। इन्हीं 8 लोगों को सुरक्षित निकालने का अभियान चल रहा है।

सुरंग में फंसे 4 लोगों के बारे में पता चला

शनिवार को बचाव अभियान में एक महत्वपूर्ण सफलता मिली, जब सुरंग के अंदर फंसे 8 में से 4 लोगों का पता चला। राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार का उपयोग किया और 4 लोगों की स्थिति के बारे में पता लगाया।सोमवार को अहम खबर मिल सकती है।

महाकुंभ पर सोशल मीडिया में कांग्रेस-भाजपा में 'महाभारत'

नई दिल्ली

महाकुंभ पर कांग्रेस और भाजपा के बीच सोशल मीडिया पर महाभारत छिड गया। गांधी परिवार और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे को एंटी हिंदू बताते हुए भाजपा ने एक्स पर पोस्ट किया। पोस्ट में बताया कि कैसे राम मंदिर बनने पर गांधी परिवार आयोध्या नहीं गया और अब महाकुंभ से राहुल गांधी तब अनुपस्थित रहे जब वे प्रयागराज से महज 120 किमी दूर रायबरेली में दो दिनों के प्रवास पर थे। इतना ही नहीं भाजपा के पोस्ट में कहा गया कि राहुल गांधी और उनका पूरा परिवार एंटी हिंदू है इसीलिए वे बाबर द्वारा बनाई गई बाबरी मस्जिद में तीन बार दर्शन को गये, लेकिन राम मंदिर बनने के बाद, रामलला की स्थापना के बाद उन्होंने मंदिर जाना उचित नहीं समझा।

भाजपा के इस पोस्ट को भाजपा नेताओं ने रीट्वीट कर राहुल गांधी पर सवालों की बौछार कर दी। मीम्स बनने शुरू हो गये। कांग्रेस पार्टी की तरफ से मोर्चा संभाला, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के बेटे कर्नाटक सरकार में कैबिनेट मंत्री प्रियांक खडगे ने उन्होंने लिखा, केंद्र सरकार के अधिकतकर मंत्री, भाजपा संगठन के अधिकतर नेता, यूपी के आधे से ज्यादा भाजपा विधायक, सोशल मीडिया टीम के कई कार्यकर्ता भी महाकुंभ नहीं गये तो क्या वे सब एंटी-हिंदू हो गए? प्रियांक यही नहीं रुके उन्होंने भाजपा संगठन को टैग करते हुए जवाबी पोस्ट में लिखा कि भाजपा के साथी दल के नेता बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री जनता दल सेकुलर के नेता एचडी कुमारास्वामी जैसे नेता भी महाकुंभ नहीं जा सके तो क्या वे सब भी एंटी हिंदू हैं? इसके बाद दोनों तरफ के समर्थकों सोशल मीडिया के इस सियासी महाभारत में कूद पडे। कई चीन्हे, अनचीन्हे हस्ताक्षरों ने अपने अपने हिसाब से मुद्दे पर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया।

रात्रि 11.26 से 12.30 तक ही शुभ घड़ी

भद्रा का साया, होलिका दहन के लिए मिलेंगे मात्र 64 मिनट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

होलिका दहन के लिए इस बार भक्तों को लंबा इंतजार करना पड़ेगा। देर रात तक इंतजार करने के बाद ही भक्तगण होलिका दहन कर सकेंगे। फाल्गुन पूर्णिमा तिथि क। शुरुआत 13 मार्च को सुबह 10.35 मिनट पर होगी और अगले दिन 14 मार्च को दोपहर 12.23 तक रहेगी। 13 मार्च को भद्रा पूंछ शाम 6.57 मिनट से रात 8.14 तक रहेगी।

इसके बाद भद्रा मुख का समय शुरू हो जाएगा जो रात 10.22 मिनट तक रहेगा।

इसके बाद ही होलिका दहन करना शुभ होगा। हालांकि भद्रा 10 बजकर 22 मिनट को समाप्त हो जाएगी, लेकिन दहन के लिए 13 मार्च को रात 11 बजकर 26 से देर रात 12 बजकर 30 मिनट का समय उत्तम माना जा रहा है। इस तरह से होलिका दहन के लिए 64 मिनट का समय भक्तों को मिलेगा। पुराणों के अनुसार भद्रा सूर्य की पुत्री और शनि देव की बहन है। भद्रा क्रोधी स्वभाव की मानी गई है। इसी वजह से भद्रा के समय किसी भी काम की शुरुआत वर्जित मानी गई है। भद्राकाल में होलिका दहन करना अनिष्ठ का स्वागत करने के समान माना जाता है।

वर्ष का पहला चंद्रग्रहण

इस वर्ष होली के दिन 14 मार्च को आशकि चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है। भारतीय समय अनुसार सुबह 9:27 मिनट पर उपछाया ग्रहण शुरू होगा और 10 बजकर 39 मिनट पर आंशिक और 11 बजकर 56 मिनट पर पूर्ण चंद्रग्रहण समाप्त हो जाएगा। ग्रहण का समय दिन का होने के कारण यह भारत में नजर नहीं आएगा और इसी कारण इसका असर भी भारत पर नहीं होगा। ग्रहण का प्रभाव मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया, अंटार्कटिका, यूरोप के कई हिस्सों, उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, अफ्रीका के बड़े हिस्से सहित अन्य जगहों पर पड़ेगा।

होलाष्टक 7 से

होलाष्टक की अवधि बेहद महत्वपूर्ण होती है। यह अवधि शुभ कार्यों को करने के लिए अशुभ मानी जाती है। होलाष्टक की शुरुआत हर साल फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से होती है और इसका समापन पूर्णिमा तिथि को होता है। इस बार होलाष्टक 7 मार्च को शुरू होगा और 13 मार्च को समाप्त होगा। यह समय खासतौर पर पूजा, व्रत और विशेष उपायों के लिए अत्यधिक शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान विशेष उपाय करने से जीवन में सुख, समृद्धि और उन्नति प्राप्त होती है।

मीरा बीघा टैंपल सिटी में बोले लालू

निशांत राजनीति में आएंगे सरकार तेजस्वी की बनेगी

एजेंसी ⏭ जहानाबाद

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव रविवार को अपने करीबी सहयोगी रहे दिवंगत डॉ. चंद्रिका प्रसाद यादव की श्रद्धांजलि सभा में शामिल होने जहानाबाद जिले के मीरा बीघा टैंपल सिटी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने तेजस्वी यादव के नेतृत्व में 2025 में बिहार में सरकार बनने का दावा किया और कहा कि जनता का पूरा समर्थन राजद के साथ है। जब उनसे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के राजनीति में आने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने संक्षिप्त जवाब में कहा कि हां, आ रहे हैं। जब सी-वोटर सर्वे को लेकर लालू से सवाल किया गया, तो उन्होंने आत्मविश्वास के साथ कहा कि 2025 में बिहार में तेजस्वी यादव के नेतृत्व में सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि जनता मौजूदा सरकार से पूरी तरह ऊब चुकी है और बदलाव चाहती है। बिहार की जनता अब एक नई सरकार चाहती है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय

कतर के अमीर की भारत यात्रा

कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमाद अल-थानी की दो दिवसीय भारत यात्रा ने बदलते अंतरराष्ट्रीय समीकरणों के बीच दोनों देशों की बढ़ती करीबी को दिखाया है। उनकी इस यात्रा को भारत में कितनी अहमियत दी गई, यह इसी से स्पष्ट था कि उन्हें रिसीव करने खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एयरपोर्ट गए थे।

यह यात्रा ऐसे समय हुई, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की घोषणाओं से न केवल अंतरराष्ट्रीय व्यापार के समीकरणों को लेकर अनिश्चितता की स्थिति बन रही है बल्कि पश्चिम एशिया में भी नाजुक हालात हो गए हैं। ध्यान रहे कतर, इस्राइल और हमास के बीच मध्यस्थ की भूमिका में रहा है और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के गाजा को खाली कराने संबंधी बयान को लेकर वह असहज है। ऐसे में महत्वपूर्ण है कि मंगलवार को जहां कतर के विदेश मंत्रालय ने कहा कि गाजा के भविष्य का फैसला फलस्तीनी करेंगे, वहीं भारत ने भी फलस्तीन के मुद्दे पर 'टू स्टेट सॉल्यूशन' के फॉर्म्युले को अपना समर्थन दोहराया।

इसी संदर्भ में यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत और कतर ने अपने रिश्तों को रणनीतिक साझेदारी का रूप दे दिया है। हाल के वर्षों में खाड़ी देशों के साथ भारत के रिश्तों में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (GCC) के देशों में सऊदी अरब, यूएई, ओमान और कुवैत के बाद कतर पांचवां देश है, जिसके साथ भारत ने रणनीतिक साझेदारी समझौता किया है।

दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को अगले पांच साल में दोगुना करने और कतर की ओर से भारत में 10 बिलियन डॉलर का निवेश करने का फैसला तो किया ही है, GCC देशों के साथ भारत के मुक्त व्यापार समझौते पर हो रही प्रगति से अलग द्विपक्षीय स्तर पर भी फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। यही नहीं, दोनों देशों ने सीमा पार आतंकवाद समेत सभी तरह के आतंकवाद की निंदा करते हुए उस पर एकजुटता दिखाई।

ध्यान रहे, भारत और कतर के रिश्तों में यह बेहतरी अचानक नहीं आई है। वहां करीब 7 लाख प्रवासी भारतीय रहते हैं जो कतर की कुल आबादी का लगभग 25 फीसदी हिस्सा है। दोनों देशों के बीच करीबी सहयोग न केवल द्विपक्षीय हितों के लिहाज से महत्वपूर्ण है बल्कि वैश्विक विवादों को सुलझाने में भी सकारात्मक योगदान कर सकता है।

अमेरिका में ट्रंप-ज़ेलेंस्की विवाद गहराया, मोदी, ब्रिटेन और इजरायल के साथ यूक्रेन नीति पर मचा सियासी तूफान

वॉशिंगटन/कीव/नई दिल्ली। डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरी बार अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के 38वें दिन ही कुछ ऐसा हुआ, जो व्हाइट हाउस के इतिहास में कभी नहीं हुआ था। ओवल ऑफिस में मीडिया के कैमरों के सामने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और ट्रम्प के बीच तीखी बहस हो गई। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस कार्यकाल में ट्रम्प दूसरे देशों के राष्ट्रप्रमुखों के सामने जितना आक्रामक रवैया अपना रहे हैं, ये तो होना ही था।

20 जनवरी 2025 को शपथ ग्रहण के बाद डोनाल्ड ट्रम्प किसी राष्ट्र प्रमुख से पहली मुलाकात के तौर पर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मिले। 4 फरवरी को नेतन्याहू व्हाइट हाउस पहुंचे, तो ट्रम्प ने गेट पर आकर उनका स्वागत किया। इस मुलाकात के दौरान ट्रम्प ने वो सब किया जो नेतन्याहू चाहते थे, लेकिन इसके बाद आए 5 राष्ट्र प्रमुखों पर ट्रम्प ने धौंस जमानी शुरू की और कई बार बहस होते-होते बची...

1. जॉर्डन के किंग को मदद रोकने की धमकी

11 फरवरी को जॉर्डन के किंग अब्दुल्लाह व्हाइट हाउस पहुंचे। ट्रम्प उन्हें रिसीव करने गेट तक आए, लेकिन ओवल ऑफिस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रम्प बिफर पड़े।ट्रम्प ने सख्त लहजे में किंग अब्दुल्लाह से कहा, 'हम गाजा पर कंट्रोल करने जा रहे हैं और फिलिस्तीनियों को गाजा के अलावा किसी और सुरक्षित जगह पर बसाया जाएगा। अमेरिका जॉर्डन और मिस्र को बहुत पैसे देता है, अगर वे उनकी इस योजना से सहमत नहीं हुए तो उनसे सहायता रोकी जा सकती है। 'मुझे इसकी धमकी देने की जरूरत नहीं है। मुझे लगता है कि हम इससे ऊपर हैं।'

जॉर्डन के किंग ने मीडिया के सामने कोई विवाद खड़ा करने से परहेज किया। उन्होंने बहुत सावधानी, सटीकता और अपमान से बचते हुए कहा कि वे वही करेंगे जो उनके देश के लिए बेहतर होगा।

हालांकि व्हाइट हाउस से जाने के बाद ट्विटर के जरिए किंग अब्दुल्लाह ने एक बयान जारी किया कि वो ट्रम्प के प्लान को रिजेक्ट करते हैं।

2. भारत के PM को टैरिफ की धमकी

14 फरवरी को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ट्रम्प से मिलने व्हाइट हाउस पहुंचे। अवैध अप्रवासी, टैरिफ और भारत-अमेरिका के बिगड़ते रिश्तों के बीच दोनों की मुलाकात हुई। PM मोदी को रिसीव करने ट्रम्प व्हाइट हाउस के गेट तक नहीं आए।

ओवल ऑफिस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रम्प ने कहा, भारत दुनिया में सबसे ज्यादा टैरिफ वाला देश है। आप जो भी टैरिफ लगाएंगे, मैं वही टैरिफ लगाऊंगा। मैं हर देश के साथ ऐसा कर रहा हूं।'

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अवैध अप्रवासियों को सैन्य विमान से भेजे जाने के मुद्दे पर PM मोदी से मीडिया ने सवाल किया तो उन्होंने बात घुमाते हुए कहा, 'कोई भी किसी देश में अवैध रूप से घुसता है तो उसे उस देश में रहने का अधिकार नहीं है।'

PM मोदी ने इस दौरे में पूरी कोशिश की थी कि विवादित मुद्दे हावी न हों। भारत किसी तरह ट्रम्प के साथ उलझने से बच गया। दोनों पक्षों ने तय किया कि कुछ महीने में डील होगी और इसे ही विक्ट्री की तरह प्रोजेक्ट किया गया।

3. फ्रांस के राष्ट्रपति से उलझ गए ट्रम्प

24 फरवरी को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों व्हाइट हाउस पहुंचे। ओवल ऑफिस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रम्प मैक्रों से उलझ गए।

एक सवाल का जवाब देते हुए ट्रम्प ने कहा कि यूरोप, यूक्रेन को पैसे उधार दे रहा है और अपना पैसा वापस ले रहा है। ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ने यूक्रेन को जंग लड़ने के लिए 'असल पैसा' दिया।

ट्रम्प के ऐसा कहते ही वहां मौजूद मैक्रों ने हाथ पकड़कर उन्हें रोका और कहा कि, 'सच कहें तो हमने पेमेंट किया है, इस जंग में जितना खर्च हुआ है उसका 60% भुगतान यूरोप ने किया है। अगर साफ-साफ कहा जाए तो अमेरिका ने लोन, गारंटी, ग्रांट दिया, लेकिन असल पैसा यूरोप ने दिया।'

4. ट्रम्प ने ब्रिटिश PM से पूछा- क्या वे अकेले रूस का मुकाबला कर पाएंगे27 फरवरी को व्हाइट हाउस में ब्रिटिश PM कीर स्टार्मर ने डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात की। जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रम्प से सवाल पूछा गया था कि अगर यूक्रेन में ब्रिटिश सेना तैनात होती है तो क्या अमेरिका उसकी मदद करेगा?ट्रम्प ने पहले 'नहीं' कहा। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश अपना ख्याल बहुत अच्छे से रख सकते हैं। कुछ ही देर बाद उन्होंने कहा कि यदि ब्रिटेन को मदद की जरूरत होगी तो अमेरिका उसका साथ देगा।

इसके बाद ट्रम्प, स्टार्मर की तरफ मुड़े और उनसे पूछ लिया- क्या आप अकेले रूस का मुकाबला कर पाएंगे? इस पर स्टार्मर कोई जवाब नहीं दे सके और मुस्कुराकर रह गए।

कुछ देर बाद एक रिपोर्टर ने कीर स्टार्मर से कनाडा पर भी सवाल किया। इस पर ट्रम्प नाराज हो गए और बातचीत को बीच में ही रोक दिया। रिपोर्टर ने पूछा था कि क्या उन्होंने कनाडा पर कब्जे वाले बयान के बारे में राष्ट्रपति ट्रम्प से चर्चा की?

इस पर स्टार्मर ने कहा कि हम सबसे करीबी देश हैं और आज हमारी बहुत अच्छी चर्चा हुई, लेकिन हमने कनाडा को नहीं छुआ। इसी दौरान ट्रम्प ने उन्हें बीच में रोक दिया और रिपोर्टर से कहा, 'बस बहुत हो गया' अब और नहीं।

28 फरवरी को यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की व्हाइट हाउस पहुंचे। ओवल ऑफिस में जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस चल रही थी। शुरुआत बेहद विनम्र तरीके से हुई, जो धीरे-धीरे बहस में बदल गई। इस दौरान ट्रम्प-वेंस और जेलेंस्की एक-दूसरे की तरफ उंगली दिखाते नजर आए। ट्रम्प ने कई बार जेलेंस्की को फटकार भी लगाई। उन्होंने जेलेंस्की से कहा कि वो तीसरा विश्वयुद्ध कराने का जुआ खेल रहे हैं।CNN से व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया, 'तीखी बहस के बाद जेलेंस्की और ट्रम्प अलग-अलग कमरे में चले गए। उसके बाद ट्रम्प ने यूक्रेन के लोगों को वहां से जाने के लिए कह दिया। जेलेंस्की अमेरिका से दुर्लभ खनिज समझौते पर हस्ताक्षर किए बिना अपनी ब्लैक एसयूवी में बैठकर होटल चले गए। इस पर रूस ने कहा, 'ऐतिहासिक।'

JNU के रिटायर्ड प्रोफेसर और विदेश मामलों के जानकार ए के पाशा के मुताबिक, ट्रम्प की आक्रामकता के पीछे 3 बड़ी वजह हो सकती हैं...

1. दुनियाभर में अपनी 'सुपरमैन' इमेज बनाना

ग्लोबल लीडर को जैसा होना चाहिए, डोनाल्ड ट्रम्प की स्पीच, व्यवहार, कमेंट और सोशल मीडिया पोस्ट उसके ठीक उलट हैं। अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रम्प ने खुद को सुपरमैन की तरह रिप्रेजेंट किया।

इजराइली PM के अलावा व्हाइट हाउस में जितने भी राष्ट्राध्यक्ष आए, ट्रम्प ने उनसे कड़े शब्दों में बात की। फिर चाहे वो जॉर्डन के किंग हों, भारत के PM मोदी हों, फ्रांस के राष्ट्रपति हों या ब्रिटेन के प्रधानमंत्री। ट्रम्प अपने इस सख्त रवैये से बता देना चाहते हैं कि वो सबसे ऊपर हैं। बाकी देशों को उनके आगे झुकना पड़ेगा। वो जो चाहें, कर सकते हैं।

2. अमेरिका का हित सबसे ऊपर

राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रम्प ने कई बार कहा था कि वे अमेरिका को और बेहतर बना देंगे। राष्ट्रपति बनने के बाद उनका एक ही मकसद होगा कि अमेरिका का हित सबसे ऊपर हो। नारा दिया- मेक अमेरिका ग्रेट अगेन।

यही वजह है कि ट्रम्प बाकी देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ बात करते हुए अमेरिका का हित सबसे ऊपर रख रहे हैं। राष्ट्रपति बनते ही ट्रम्प ने 15 लाख अवैध अप्रवासियों की लिस्ट तैयार की गई, जिसमें 20,407 भारतीय भी थे। जिन्हें हाथों में हथकड़ी और पैरों में बेड़ियां डालकर मुजरिमों की तरह भारत वापस भेजा।

ट्रम्प ने अमेरिका की इकोनॉमी बढ़ाने के लिए यूक्रेन के साथ दुर्लभ खनिज का समझौता करने की पेशकश की, क्योंकि वे दुर्लभ खनिजों की सप्लाई में अमेरिका का हिस्सा बढ़ाना चाहते हैं। फिलहाल अमेरिका इन खनिजों के लिए चीन पर निर्भर है। अमेरिका को दोबारा महान बनाने की बात करने वाले ट्रम्प के लिए ये चिंता की बात है। इससे अमेरिका का आर्थिक और सैन्य मोर्चे पर दांव कमजोर पड़ सकता है। हालांकि यह डील फिलहाल नहीं हो सकी।

3. अमेरिका की घरेलू जनता के सामने इमेज चमकाना

दुनिया एक ऐसे अमेरिकी राष्ट्रपति से डील कर रही है, जो अपनी घरेलू जनता के सामने सबसे ज्यादा मजबूत दिखना चाहते हैं। दुनिया के जो नेता इसे समझते हैं, वो अपमान का घूंट पी लेते हैं, मुंह सिल लेते हैं और मुस्कुराकर हां में हां मिला देते हैं। लेकिन जेलेंस्की ऐसा नहीं कर सके।

वॉशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से तीखी बहस के बाद जेलेंस्की ने शनिवार को एक के बाद एक 14 ट्वीट कर कहा कि वो शांति चाहते हैं। उन्होंने यूक्रेन को समर्थन देने के लिए अमेरिका का शुक्रिया अदा किया और कहा कि उनके लिए राष्ट्रपति ट्रम्प का समर्थन पाना बेहद ज़रूरी है।

विश्लेषण

प्रमोद भार्गव

परमाणु हथियार नहीं होने से यूक्रेन लाचार

खुद की शक्ति नहीं होने की लाचारी मनुष्य या किसी देश को कहां लाकर खड़ा कर देती है, इसका जीता-जागता उदाहरण यूक्रेन और उसके राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की हैं। यूक्रेन के जब वे राष्ट्रपति बने थे, तब वे हास्य कलाकार थे, उन्हें राजनीति का कोई अनुभव नहीं था। इसी का परिणाम रहा है कि वे आज दुनिया की दो महाशक्तियों अमेरिका और रूस के बीच असहाय बने हास्यास्पद स्थिति से दो-चार हो रहे हैं। यूक्रेन का स्वाभिमान टूट चुका है। उसे अमेरिका युद्ध समाप्त करने की धमकी के साथ दुर्लभ खनिज संपदा छीन लेने के लिए भी मजबूर कर रहा है। बावजूद उसे सुरक्षा की कोई गारंटी तो दी ही नहीं जा रही, बल्कि रूस और चीन की दया पर जीते रहने की परिस्थितियां निर्मित की जा रही हैं। यह स्थिति किसी भी संप्रभुता वाले देश के लिए परतंत्रता स्वीकार लेने जैसी है। इस स्थिति को यूक्रेन इसलिए विवश है, क्योंकि उसने सोवियत संघ के विघटन के बाद 1994 में परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर करने के बाद उन्हें नष्ट कर देने की बड़ी भूल की थी। आज वह परमाणु निरस्त्रीकरण के दुष्परिणाम झेलने को मजबूर है। जबकि भारत ने परमाणु परीक्षण से जुड़ी इस संधि पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया था। भारत की ओट लेकर पाकिस्तान ने भी यही रुख अपनाया था। अगस्त-1999 में भारत सरकार ने इस सिद्धांत का एक प्रस्ताव भी जारी किया था। इसमें कहा गया था कि 'परमाणु हथियार केवल निरोध के लिए हैं और भारत केवल प्रतिशोध की नीति अपनाएगा। 'अर्थात भारत कभी स्वयं आगे बढ़कर पहले परमाणु हमला नहीं करेगा। आईसीएएन संगठन अंतरराष्ट्रीय संधि के माध्यम से दुनिया को परमाणु हथियार मुक्त बनाने के प्रयासों में जुटा है। संगठन के प्रयासों पर सहमति जताते हुए 122 देशों ने परमाणु हथियारों को प्रतिबंधित करने की संधि भी कर ली है। संयुक्त राष्ट्र संघ की जब 1945 में स्थापना हुई थी, तब उसका मुख्य उद्देश्य विश्व फलक पर परमाणु निरस्त्रीकरण ही था, लेकिन इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि इस वैश्विक संस्था के अस्तित्व में आने के बाद से ही परमाणु हथियार रखने वाले देशों की संख्या तो बढ़ ही रही है, परमाणु और हाइड्रोजन बमों की संख्या भी बढ़ रही है। जो देश परमाणु संपन्न हैं, वे अब तक परमाणु व अप्रसार संधि (एनपीटी) पर दस्तखत करने को तैयार नहीं हुए हैं। इन देशों में अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, भारत, पाकिस्तान, इजराइल और उत्तर-कोरिया शामिल हैं। यदि ये देश इन हथियारों को चिंगारी दिखा दें तो पूरा ब्रह्माण्ड तहस-नहस हो जाएगा। आईसीएएन के प्रयास से 122 देशों ने संयुक्त राष्ट्र की परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर किए हैं। इस लिहाज से इस संस्था का परमाणु युद्ध संबंधी खतरा टालने में अहम भूमिका सामने आई है। हालांकि परमाणु संपन्न देशों द्वारा संधि पर दस्तखत नहीं करने के कारण यह संकट यथावत बना हुआ है। इसी परमाणु शक्ति को स्वाहा कर देने के कारण यूक्रेन ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन जैसे निष्ठुर पाटों के बीच पिस रहा है। ट्रंप यूक्रेन पर युद्ध समाप्ति से पहले बड़ा दुर्लभ खनिज संपदा का सौदा करने की तैयारी में है। यह सौदा अमेरिका द्वारा यूक्रेन को दी गई अमेरिकी सैन्य मदद के बदले में किया जा रहा है। जबकि युद्ध थोपते वक्त ऐसी कोई शर्त यूक्रेन के समक्ष अमेरिका ने नहीं रखी थी। जेलेंस्की ने कहा भी है कि अमेरिका उन पर 500 अरब डॉलर के सौदे पर हस्ताक्षर करने का दबाव बना रहा है, लेकिन भविष्य में रूस से सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं दी जा रही है। यदि जेलेंस्की इस सौदे पर हस्ताक्षर नहीं करते हैं तो भविष्य में उन्हें किसी भी प्रकार की आर्थिक मदद अमेरिका द्वारा नहीं दी जाएगी। हालांकि जेलेंस्की ने यह जरूर भरोसा दिया था कि यदि यूक्रेन में शांति स्थापना होती है तो वे नाटो देशों की सदस्यता मिलने पर राष्ट्रपति पद छोड़ देंगे। इधर इस सौदेबाजी के परिप्रेक्ष्य में पुतिन ने भी अमेरिकी कंपनियों को रूस के साथ व्यापारिक समझौतों के लिए आमंत्रित किया है। पुतिन ने कहा है कि यदि अमेरिकी कंपनियां चाहें तो रूस ने यूक्रेन की जिस भूमि पर कब्जा किया है, उस क्षेत्र में खनिज संपदा का दोहन कर सकती हैं। साथ ही रूस ने साइबेरिया क्षेत्र में भी खनिज संपदा के उत्खनन के लिए भी कहा है। इस क्षेत्र में अत्यंत दुर्लभ खनिजों की उपलब्धता है। एक तरह से रूस ने अमेरिका के साथ मिलकर खनिज व्यापार की जो लकीर खींच दी है, उससे यूक्रेन की स्थिति उस लाचारी की अवस्था में आ गई है, जहां वह अपना अभिमान, अखंडता और संप्रभुता की गरिमा बचाए रखने की स्थिति में नहीं रह गया है। यदि यूक्रेन ने परमाणु अप्रसार संधि पर दस्तखत नहीं किए होते तो वह इस लाचारी को प्राप्त नहीं हुआ होता।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार और पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

आध्यात्मिक चेतना आखिर क्या है?

संकलित

दर्शन

आज मनुष्य अत्यधिक भौतिकवादी तथा लालची हो गया है। बलिदान, त्याग, संतोष, प्रज्ञा, चिंतन-मनन, मुक्ति और मोक्ष जैसे शब्द हमारे शब्दकोश से धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं, जो कि आध्यात्मिक मूल्यों के द्योतक रहे हैं। व्यापक उपभोगवादी संस्कृति तथा भोग-विलास से पोषित भौतिकवाद की नई उभरी संस्कृति ने आध्यात्मिक चेतना पर पर्दा डाल दिया है। धन-अर्जन, सत्ता तथा प्रसिद्धि की लालसा और सुखवादी जीवन-प्रणाली आज जीवन का परम लक्ष्य है। सभी धर्मों ने लालच को महापाप कहा है, परंतु आज लालच ही मुख्य प्रेरणा-द्वार है। ऋषि-मुनि आध्यात्मिक मूल्यों को सर्वोच्च महत्व देते हैं। हिंदू धर्म के आध्यात्मिक मूल्यों का अनुक्रम है-धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्ष। अर्थ तथा काम संसारिक मूल्य हैं, जबकि धर्म तथा मोक्ष आध्यात्मिक मूल्य हैं, परंतु धर्म का स्थान सर्वदा प्रथम है। यह अर्थ तथा काम दोनों का प्रेरक तथा नियंत्रक है। जीवन के हिंदू दृष्टिकोण के अनुसार, सात्विक सर्वाधिक ऊंचा आदर्श है। इसके बाद राजसी का स्थान है, जो एक आदर्श नहीं, परंतु सामाजिक आवश्यकता है। तामसिक सबसे अधिक अपमानजनक वृत्ति है, जिससे सभी बुद्धिमान दूर रहते हैं। मनु की पद्धति में सतत्व को न्याय की संज्ञा दी गई है, राजस को आकांक्षा की तथा तमस को इच्छाओं की। महापुरुषों ने चिंतन-मनन को मनुष्य के परम आनंद के रूप में देखा। आंतरिक शांति तथा आध्यात्मिक ज्ञान के लिए समर्पित जीवन ही मानव गतिविधियों का सवरेत्तम रूप है।

जीवन में सब ईश्वर की दया ही है

संकलित

प्रेरणा

एक बार एक अमीर सेठ के यहां एक नौकर काम करता था, अमीर सेठ अपने नौकर से तो बहुत खुश था, लेकिन जब भी कोई कटु अनुभव होता तो वह भगवान को अनाप शनाप कहता और बहुत कोसता था। एक दिन वह अमीर सेठ ककड़ी खा रहा था, संयोग से वह ककड़ी कच्ची और कड़वी थी। सेठ ने वह ककड़ी अपने नौकर को दे दी। नौकर ने उसे बड़े चाव से खाया जैसे वह बहुत स्वादिष्ट हो। अमीर सेठ ने पूछाः ककड़ी तो बहुत कड़वी थी, भला तुम ऐसे कैसे खा गये? नौकर बोलाः आप मेरे मालिक है, रोज ही स्वादिष्ट भोजन देते है, अगर एक दिन कुछ बेस्वाद या कड़वा भी दे दिया तो उसे स्वीकार करने में भला क्या हर्ज है? अमीर सेठ अपनी भूल समझ गया, अगर ईश्वर ने इतनी सुख-सम्पदाएं दी है, और कभी कोई कटु अनुदान या सामान्य मुसीबत दे भी दे तो उसकी सद्भावना पर संदेह करना ठीक नहीं। असल में यदि हम समझ सकें तो जीवन में जो कुछ भी होता है, सब ईश्वर की दया ही है। ईश्वर जो करता है अच्छे के लिए ही करता है। हम केवल जीवन में अच्छे व उजले पक्ष को ही देखते हैं। हमें सुख, आराम पसंद है, पर दुख व कष्ट के क्षण आते ही हमारा मन विचलित होने लगता है। जीवन में सुख और दुख दोनों ही पल होते हैं।

रमजान का पहला रोजा

पवित्र रमजान महीने के पहले दिन, बुधवार को नई दिल्ली की जामा मस्जिद में मुसलमान इफ्तार में हिस्सा लेते हुए।

आज की पाती

करों का उचित प्रयोग करें सरकारें

हाल ही में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने यह फैसला सुनाया कि अगर सड़कों की हालत खस्ता है तो टोल टैक्स लेने का सरकारों का कोई औचित्य नहीं है। कोर्ट ने नेशनल हाइवे 44 पर स्थित दो टोल प्लाजों पर लगभग 80 प्रतिशत टोल टैक्स कम करने के आदेश भी दिए हैं। सरकारें हमसे किसी भी रूप में जो टैक्स वसूलती हैं, उसका सदुपयोग नहीं किया जाए तो यह सरकारों की सबसे बड़ी नासमझी है। हमारे देश में दिन-प्रतिदिन सड़क हादसों में जान गंवाने वालों का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। देश में सड़क हादसों में एक दिन में जितने लोग जान गंवाते हैं, वो आतंकवाद के शिकार होने वाले पीड़ितों से ज्यादा हैं। सड़क हादसा कभी अपनी लापरवाही से हो जाता है, तो कभी दूसरों की लापरवाही से। बहरहाल, सभी सरकारों को यह तय करना चाहिए कि करों का उचित प्रयोग हो। - *मनीष मिश्रा, दुर्ग*

ट्रेंड

माइक मासिमिनो से मुलाकात

प्रतिष्ठित अंतरिक्ष यात्री माइक मासिमिनो से मिलकर खुशी हुई। अंतरिक्ष के प्रति उनका जुनून और इसे युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाना भी सर्वविदित है। यह भी सराहनीय है कि वह सीखने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कैसे काम कर रहे हैं।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जनता से किए वादे निभाएंगे

हमारे लिए सत्ता, जनता द्वारा सौंपा गया वह पुनीत अवसर है, जिसके माध्यम से हम लोक कल्याण और अन्त्योदय के लिए कार्य कर सकते हैं। हम उन सभी वादों को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं, जो दिल्ली की जनता से किए गए हैं।

-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

नशे के खिलाफ़ महायुद्ध

पंजाब में नशे के खिलाफ़ हमारी सरकार ने महायुद्ध छेड़ दिया है। नशे ने हमारे युवाओं और बच्चों को बड़ी संख्या में बर्बाद कर दिया। नशा बेचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पंजाब से नशे को हमेशा के लिए खत्म किया जाएगा।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, दिल्ली

नकारात्मक रिश्ते

तेज बहती नदी में भँवर की तरह, आप अक्सर नकारात्मक रिश्तों और भावनाओं में फँसे रहते हैं.. नदी बह रही है.. तुम्हें तय करना होगा कि तुम कौन हो.. भँवर या नदी?

-शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

निजी अमेरिकी कंपनी का लैंडर 'बलू घोस्ट' चंद्रमा पर उतरा

एक निजी अमेरिकी कंपनी का अंतरिक्ष यान रविवार को चांद पर उतरा और यह अंतरिक्ष एजेंसी नासा के लिए प्रयोग किये। फायरफ्लाई एयरोस्पेस का 'ब्लू घोस्ट' लैंडर स्वचालित रूप से चंद्रमा की कक्षा से उतरा, जिसका लक्ष्य चंद्रमा के उत्तरपूर्वी छोर पर स्थित प्रभाव बेसिन में स्थित प्राचीन ज्वालामुखी गुंबद की ढलानों पर पहुंचना था। कंपनी के मिशन कंट्रोल ने बताया कि, 'हम चांद पर हैं'। साथ ही उसने बताया कि लैंडर की स्थिति 'स्थिर है'। टेक्सास स्थित कंपनी फायरफ्लाई एयरोस्पेस ने इस अंतरिक्ष यान को विकसित किया है। एक दशक पहले स्थापित स्टार्टअप फायरफ्लाई को एक सहज, सीधी लैंडिंग ने ऐसा पहला निजी संगठन बना दिया है, जिसने अंतरिक्ष यान को चंद्रमा पर उतारा है। केवल पांच देशों रूस, अमेरिका, चीन, भारत और जापान ने ही ऐसी सफलता मिलने का दावा किया है। दो अन्य कम्पनियों के 'लैंडर' के भी इस सप्ताह के अंत में चंद्रमा पर उतरने की उम्मीद है। फ्लोरिडा से जनवरी के मध्य में प्रक्षेपित किये गये 6 फुट 6 इंच (2 मीटर) लंबे 'लैंडर' ने नासा के लिए चंद्रमा पर 10 प्रयोग किये।

ऑफ बीट

नाक से सांस लेने पर आपकी दौड़ हो सकती है आसान

श्वास अवचेतन है। हमें इसके बारे में सोचने की ज़रूरत नहीं है - यह बस हो जाता है। कम और मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम (जैसे पैदल चलना और साइकिल चलाना) के दौरान, हममें से अधिकांश लोग अपनी नाक से सांस लेते हैं और अपने मुंह से सांस छोड़ते हैं। लेकिन व्यायाम जितना अधिक तीव्र होता जाता है, उतना ही हम पूरी तरह मुंह से सांस लेने लगते हैं। हममें से अधिकांश लोग यह मानेंगे कि गहन व्यायाम के दौरान मुंह से सांस लेना सबसे अच्छी तकनीक है, क्योंकि यह हमारी मांसपेशियों तक अधिक ऑक्सीजन पहुंचने में मदद देता है। लेकिन सबूत इसके विपरीत दिखाते हैं - और यह कि आपकी नाक से सांस लेना वास्तव में गहन व्यायाम (जैसे दौड़ना) के दौरान उपयोग करने के लिए एक बेहतर तकनीक हो सकती है। व्यायाम करते समय, मुंह से सांस लेने की तुलना में नाक से सांस लेने पर कम ऑक्सीजन का उपयोग होता है। हालांकि यह कोई फ़ायदा नहीं लग सकता है, लेकिन मूल रूप से इसका मतलब यह है कि शरीर कम ऑक्सीजन का उपयोग करते हुए भी उतनी ही मात्रा में व्यायाम कर सकता है। और गति को अधिक समय तक बनाए रखना ही सफलता का मूलमंत्र है।

रॉयल पत्रिका

संसदीय कार्य मंत्री एवं जोधपुर जिला कलक्टर ने जोजरी नदी के प्रदूषित पानी से प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। संसदीय कार्य विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल एवं जोधपुर जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल ने रविवार को जोधपुर जिला स्थित सालावास और धवा क्षेत्र में जोजरी नदी के प्रदूषित पानी से प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रदूषित पानी के कारण शिफ्ट किए गए राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय ठूंठावास (मेलबा) का भी अवलोकन किया।

पटेल ने कहा माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश का प्रथम ग्रीन बजट पर्यावरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा वर्ष 2025-26 के लिए ग्रीन बजट के तहत 27 हजार 854 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

हमारी सरकार का लक्ष्य जोजरी नदी का पुनरुद्धार कर स्वच्छ एवं निर्मल बनाना—पटेल

पटेल ने कहा पर्यावरण संरक्षण के लिए इस वर्ष 'मिशन हरियाळो राजस्थान' के तहत 10 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य जोजरी नदी का पुनरुद्धार कर स्वच्छ एवं निर्मल बनाना है और इसके लिए 176 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। जोजरी को पुनः उसका वास्तविक स्वरूप देने के लिए बजट की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

इस दौरान पटेल ने नदी में बढ़ते प्रदूषण की स्थिति का जायजा लिया और इस समस्या के समाधान के लिए शीघ्रातिशीघ्र दीर्घकालिक रणनीति बनाकर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

पटेल ने कहा कि जोजरी नदी का प्रदूषण न केवल पर्यावरण के लिए बल्कि स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर चुनौती बन गया है। गन्दे पानी से आमजन के साथ पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं के जीवन पर भी हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है।

अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

संसदीय कार्य मंत्री ने जिला प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को निरंतर प्रभावी निगरानी और औद्योगिक क्षेत्रों में नियमानुसार इंडस्ट्रियल वेस्ट वाटर का समुचित ट्रीटमेंट सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जोजरी नदी की सफाई और प्रदूषण नियंत्रण के लिए एक व्यापक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय सुरेंद्र सिंह राजपुरोहित, उपखंड अधिकारी लूणी पुखराज कंसोटिया जेडीए के उपायुक्त जयपाल सिंह, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी कामिनी सोनगरा,लूणी तहसीलदार इमरान, झंवर तहसीलदार देवाराम सहित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बजट 2025—26 में राजस्थान पर्यटन को लगेंगे पंख

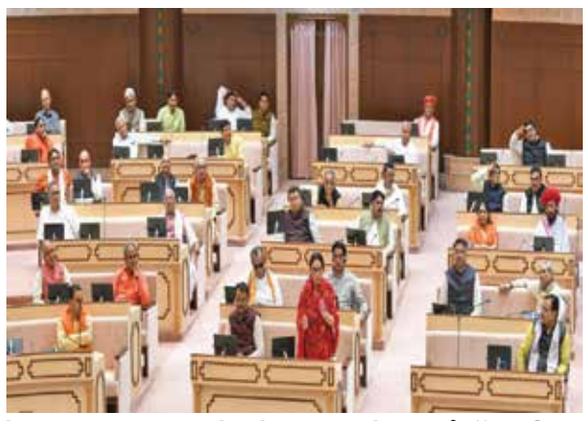

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी ने प्रदेश में पर्यटन की अपार सम्भावनाओं को देखते हुए बजट 2025—26 में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं।

पर्यटन क्षेत्र का विकास करने की दृष्टि से जहाँ एक ओर राजस्थान ट्यूरिजम इन्फ्रास्ट्रचर एण्ड कैपेसिटी बिल्डिंग फंड (आरटीआईसीएफ) से 750 करोड़ रुपये से अधिक राशि के आधारभूत संरचना सम्बन्धी कार्य हाथ में लिये गएं हैं, वहीं प्रदेश को ग्लोबल सेंटर स्टेज पर लाने के लिए देश-विदेश में ट्रेवल बाजार, कल्चरल प्रोग्राम, राजस्थान कॉलिंग जैसे इवेंट्स/ रोड शॉ भी किये जा रहे हैं।

आईफा आयोजन साबित होगा मील का पत्थर: राजस्थान पर्यटन को मिलेगी नई ऊंचाई—

राजस्थान में प्रथम बार आईफा अवार्ड का आयोजन आगामी 8 एवं 9 मार्च को जयपुर में होने जा रहा है। यह आयोजन राजस्थान पर्यटन के विकास में मील का पत्थर साबित होगा जो राजस्थान पर्यटन को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाई प्रदान करेगा। आईफा के भव्य आयोजन में राजस्थान पर्यटन विभाग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस विश्व स्तरीय ब्रांडिंग से राजस्थान पर्यटन विश्व में सिरमौर बनकर उभरेगा।

पर्यटन गतिविधियों को नयी ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए आगामी वर्ष में 975 करोड़ रू. का प्रावधान—

बजट प्रावधानों के मुताबिक प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए आगामी वर्ष में 975 करोड़ रुपये के इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट के कार्य हाथ में लिये जाने के साथ ही विभिन्न धार्मिक स्थलों पर आधारभूत संरचना व सुविधा विकसित किये जाने सम्बन्धी कार्य करवाये जायेंगे।

विरासत को मिलेगा संरक्षण—

प्रदेश में हेरिटेज पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ ही आईकोनिक ट्यूरिस्ट डेस्टिनेशन्स के रूप में 10 साईट्स का विकास किया जाएगा।

नाईट ट्यूरिज्म के लिए 100 करोड़ रुपये—

प्रदेश में नाईट ट्यूरिज्म को बढ़ावा देने हेतु 100 करोड़ रुपये के साथ ही ऐतिहासिक कलात्मक हवेलियों के संखक्षण हेतु शेखावाटी हवेली संरक्षण योजना एवं हेरिटेज वॉक का आयोजन किया जाएगा।

बीकानेर में गवरी देवी कला केन्द्र—

लोक गायकों एवं संगीतकारों तथा इनकी मौलिक कलाओं के संरक्षण के लिए बीकानेर में गवरी देवी कला केन्द्र की स्थापना की जाएगी।

अल्बर्ट हॉल म्यूजियम का होगा नवीनीकरण कार्य—

जयपुर के अल्बर्ट हॉल म्यूजियम के उन्नयन हेतु 25 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

संस्कृति पोर्टल- गांवों, मंदिरों के इतिहास का दस्तावेज तैयार किया जाएगा।

हॉस्पिटलिटी स्किल सेंटर्स — संभाग स्तर पर हॉस्पिटलिटी स्किल सेंटर्स खोले जाएंगे।

धार्मिक आस्था और विश्वास के विकास हेतु 95 करोड़ रुपये का प्रावधान—

पुष्कर, रणथम्भौर त्रिनेत्र गणेश जी, जीण माता, तनोट माता मंदिर, रामदेवरा, दाऊ मदनमोहन— भरतपुर व देशनोक— बीकानेर आदि धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं हेतु विभिन्न सुविधायें विकसित करने के लिए 95 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है।

झीलों का सौन्दर्यकरण, त्यौहारों पर सजावट—

प्रदेश के विभिन्न झीलों का सौन्दर्यकरण किया जाएगा। त्रिवेणी संगम— बेणेश्वर धाम, रामेश्वर घाट एवं बीगोद संगम का भी सौंदर्यकरण कर विकसित किया जएगा। 600 मंदिरों पर दीपावली, होली एवं रामनवमी जैसे प्रमुख त्योहारों पर विशेष साज-सज्जा व आरती के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

ट्राइबल ट्यूरिस्ट एवं ग्रामीण पर्यटन विकास सर्किट का होगा विकास—

आदिवासी बाहुल्य जिलों में 100 करोड़ रुपये व्यय कर ट्राईबल ट्यूरिस्ट सर्किट विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही राज्य सरकार ने इस बार ग्रामीण पर्यटन विकास को लक्षित किया है। इसी के अंतर्गत रूरल ट्यूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए 10 गांवों में पर्यटन सुविधाओं को विकसित किया जाएगा।

सुरक्षा बलों को सलाम—

वॉर म्यूजियम— जैसलमेर में आधारभूत संरचना एवं सुविधायें विकसित की जाएंगी।

सरकार हमारी श्रवण कुमार—

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना में 1 हजार वरिष्ठजन को हवाई मार्ग से यात्रा, 50 हजार को एसी ट्रेन से तीर्थ यात्रा करवाई जाएगी।

मंदिरो के उन्नयन के लिए 101 करोड़ रू.—

विभिन्न मंदिरों के उन्नयन हेतु 101 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मंदिरों में भोग की राशि को बढ़ाकर 3 हजार रुपये प्रतिमाह एवं पुजारियों का मानदेय 7,500 रुपये प्रतिमाह किया गया है।

जयपुर स्थापना के 300 वर्षों का उत्सव—

जयपुर शहर की स्थापना के 300 वर्ष पूर्ण होने पर वर्ष 2027 में साल भर स्थापना समारोहों का आयोजन किया जाएगा। इसी कड़ी में 2027 में गोविन्द देव जी कला महोत्सव का भी आयोजन किया जाएगा।

हवाई सफर: सुविधाओं का विकास—

कोटा एयरपोर्ट के निकट ऐरो सिटी बनाई जाएगी। माउंट आबू-सिरोही में हवाई खेल गतिविधियां शुरु करवाई जाएगी। 29 हवाई पट्टियों को बड़े हवाई जहाज उतरने के योग्य बनाया जाएगा। प्रतापगढ़, झालावाड एवं झुंझुनू में फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑगनाईजेशन (एफटीओ) बनाया जाएगा।जयपुर, जोधपुर एवं उदयपुर में हॉप ऑन हॉप ऑफ बस सेवा शुरू की जाएगी।

सौंध माटी आदिधरोहर प्रलेखन योजना—

जनजाति कलाकार वाद्य यंत्र, पाक कला, आस्था केन्द्रों, ऐतिहासिक महत्व के स्थल, चित्रकारी, भित्ति चित्र, काष्ठ व प्रस्थर कला, नृत्य एवं गायन के प्रलेखन कार्य हेतु सौंध माटी आदिधरोहर प्रलेखन योजना प्रारम्भ की जाएगी।

चित्रकला के माध्यम से पर्यटन का विकास—

प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों के सदृश्य स्थानों की दीवारों पर स्थानीय चित्रकारों द्वारा राजस्थान की कला एवं संस्कृति का चित्रण करती हुई

पेन्टिग चरणबद्ध रूप से करवायी जानी प्रस्तावित हैं। इस हेतु आगामी वर्ष 35 करोड़ रुपये का व्यय किया जायेगा।

आमजन का मानना है कि बजट 2025—26 में राजस्थान पर्यटन विकास के नये कीर्तिमान रचेगा और इससे राजस्थान पर्यटन को पंख लगेंगे।

राज्य स्तरीय आरोग्य मेला – 2025, जयपुर जिला कलेक्टर ने किया राज्य स्तरीय आरोग्य मेले का अवलोकन

-मेले के दूसरे दिन 9430 लोगों ने विभिन्न चिकित्सा सेवाओं का लिया लाभ

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र सोनी ने रविवार को आयुष विभाग द्वारा आयोजित "आरोग्यम्" राज्य स्तरीय आरोग्य मेला – 2025 के दूसरे दिन मेले का दौरा किया और विभिन्न स्टॉलों पर दी जा रही आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी चिकित्सा पद्धतियों से चिकित्सा सेवाओं का निरीक्षण किया। आयुर्वेद विभाग के अतिरिक्त निदेशक एवं मेले के नोडल अधिकारी डॉ. सतीलाल बैरवा ने बताया कि आयुर्वेद निदेशक डॉ. आनंद शर्मा के सानिध्य में आयोजित व्याख्यान में नई दिल्ली स्थित आशा आयुर्वेद के इन्फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट डॉ. चंचल शर्मा ने बांझपन के कारण एवं समाधान पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। इसके अतिरिक्त

प्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ. रवि गोयल द्वारा अग्निकर्म एवं विरेक कर्म जैसी प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों पर व्याख्यान दिया गया, जिसमें उनके प्रभाव और लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। मेले के दूसरे दिन 9430 लोगों ने विभिन्न चिकित्सा सेवाओं का लाभ लिया। मेले में आयुर्वेद चिकित्सा, सौंदर्य प्रसाधन, अग्निकर्म, स्वर्णप्राशन, जलनेति, यूरोलॉजी, ऑटिज्म, जागरूकता, होम्योपैथी चिकित्सा, यूनानी चिकित्सा, प्राकृतिक परीक्षण, नाड़ी परीक्षण एवं अन्य चिकित्सा सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

प्रदेश एवं जिले स्तर पर खाली पड़े पदों को जल्दी भर जाएगा - पालीवाल

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। आम आदमी पार्टी की प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी बैठक जयपुर के आम आमदी पार्टी प्रदेश कार्यालय में आयोजित की गई जिसमें पूरे प्रदेश से अलग-अलग संगठन एवं प्रकोष्ठों के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल ने बताया कि मीटिंग में यह तय किया गया कि आम आदमी पार्टी प्रदेश में साल के अंत में आने वाले सभी नगर निकाय और पंचायती राज के चुनाव पूरे राजस्थान में पूरी ताकत के साथ लड़ेंगी। जिसमें नगर निगम, नगर परिषद, नगर पालिका, नगर पंचायत, ब्लॉक समिति, जिला परिषद के चुनाव शामिल है। पालीवाल ने बताया कि इस मीटिंग में यह भी तय किया गया है कि जल्द ही आने वाले समय में खाली पड़े पदों को भरा जाएगा और अलग-अलग जिले और संभाग स्तरीय मीटिंगों का दौर शुरू किया जाएगा। चुनाव लड़ने के लिए आम आदमी पार्टी जनता से जुड़े मुद्दे बिजली पानी सफाई सीवरेज भ्रष्टाचार स्कूल हॉस्पिटल कानून व्यवस्था आदि मुद्दों के साथ जनता के बीच जाएगी और भाजपा कांग्रेस की पोल खुलेगी।

'शिक्षा की अलख' पाठशाला में पढ़ रहे बच्चों से किया संवाद

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। महिला सशक्तिकरण सप्ताह के तहत झुंझुनू शहर के वार्ड नंबर 2 में झुग्गी झोपड़ी में निवास करने वाले वंचित तबके के बच्चों के लिए महिलाओं द्वारा संचालित 'शिक्षा की अलख' पाठशाला में जिला कलेक्टर रामावतार मीणा व जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरी ने बच्चों से संवाद किया। इस दौरान अभिभावकों को शिक्षा के महत्व की जानकारी देते हुए जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने कहा कि बच्चे ईश्वर का रूप होते हैं, इन्हें शिक्षा व संस्कार देना अभिभावकों का कर्तव्य है। जिला कलेक्टर मीणा ने कहा कि सरकार द्वारा शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका लाभ उठाकर गरीब तबके के बच्चे भी उज्जवल भविष्य की ओर बढ़ सकते हैं।

जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरी ने बताया कि संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ना और शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना था। शिक्षा की अलख पाठशाला की संयोजक अध्यक्षा अन्नू महला ने मेहमानों का स्वागत करते हुए संस्थान की गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि महंत महावीर , अरविन्द, राजेंद्र, भूतपूर्व सैनिक सेवा समिति के जिलाध्यक्ष कैलाश सूरा , एडवोकेट रविंद्र लांबा, महिला उद्यमी कौशल्या चौधरी, डॉ. प्रियंका चौधरी, डॉ. पल्लवी चौधरी, आशा राईका, प्रमिला ने भी अपने संबोधन में अभिभावकों को प्रेरित किया कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजें और शिक्षा को अपने भविष्य को संवारने का माध्यम बनाएं। इस दौरान सुदेश राजस्थानी, संदीप, राजेश समेत विभिन्न समाजसेवी और शिक्षाविदों ने भी शिक्षा के महत्व पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में शिक्षा को लेकर जागरूकता फैलाने की शपथ दिलाई गई और सभी ने यह संकल्प लिया कि वे अपने बच्चों को शिक्षित बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

भजनलाल शर्मा ने केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में किया भ्रमण

जयपुर, 2 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भरतपुर दौरे के दूसरे दिन रविवार को सुबह केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में भ्रमण किया। उन्होंने उद्यान में पक्षी व्यू प्वाइंट तक जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के साथ पैदल भ्रमण किया। इस दौरान उद्यान में भ्रमण कर रहे देशी-विदेशी पर्यटकों ने मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर खुशी जाहिर की। शर्मा ने भी पर्यटकों से आत्मीयता से बातचीत कर केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के संबंध में उनके अनुभव जाने।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह राष्ट्रीय उद्यान पक्षियों की प्रजाति की विविधता के लिए देश और विदेश में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है, इसलिए जिला प्रशासन

यहां आने वाले पर्यटकों के लिए संचालित सभी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करे। शर्मा ने राष्ट्रीय उद्यान में पक्षी व्यू प्वाइंट पर केवलादेव शिव मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली और आमजन की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

विशाल प्लस किम्स हॉस्पिटल द्वारा पुलिस लाईन में आयुर्वेद चिकित्सा शिविर

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। रविवार को झुंझुनूं पुलिस लाईन में विशाल प्लस किम्स आयुर्वेद पंचकर्मा हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ A.S.I. लाईन ऑफिसर नेतराम जी, हॉस्पिटल के निर्देशक फतेहसिंह बडाउ और डॉक्टर राकेश गोदारा ने धन्वन्तरी भगवान की पूजा व दीपक प्रज्वलित करके किया।

शिविर में डॉ. राकेश गोदारा (पंचकर्मा विशेषज्ञ) और डॉ. कविता कुमावत (स्त्री रोग विशेषज्ञ) ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर में 100 से ज्यादा लोगों की ब्लड जांच की गई और उन्हें निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। पुलिस लाईन ऑफिसर नेतराम ने बताया कि पुलिस लाईन में समय-समय पर चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाते रहते हैं, लेकिन यह आयुर्वेद का पहला शिविर था, जिसमें कई जवानों ने सेवाएं लीं। फतेहसिंह बडाउ ने आयुर्वेद की महत्ता पर चर्चा करते हुए बताया कि यह प्राचीन पद्धति है, जिसके द्वारा कई प्रकार के रोगों का इलाज संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि आजकल का जीवन तनावपूर्ण है, जिसके कारण लोगों को विभिन्न शारीरिक समस्याएं होती हैं, जिनका इलाज आयुर्वेद से संभव है। डॉ. राकेश गोदारा ने बताया कि पुलिस लाईन के जवानों को अपने कार्यभार के कारण खुद को समय देने का अवसर नहीं मिलता, जिससे उन्हें कमर, गर्दन, घुटनों में दर्द, साइटिका, पाइल्स, पथरी जैसी समस्याएं हो जाती हैं। इन समस्याओं का इलाज पंचकर्मा थैरेपी से आसानी से किया जा सकता है शिविर में A.S.I. लाईन ऑफिसर नेतराम जी, मनीराम कुल्हरी (हेड कांस्टेबल), गुलजारी लाल (हेड कांस्टेबल), रविन्द्र (कांस्टेबल), और बन्टी (कांस्टेबल) को हॉस्पिटल की ओर से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। शिविर में एमिल कम्पनी के दीपेन्द्र व मनोज, आरबर फार्मेसी के रवि, कैराली फार्मेसी के अजय, और विशाल प्लस किम्स आयुर्वेद पंचकर्मा हॉस्पिटल के सुरेन्द्र कुमावत, अशोक अनिल, मोनिका सलोनी आदि स्टाफ के सदस्यों ने अपनी सेवाएं दीं।

तोड़ी गई अच्छी खासी सड़क एक महीने से रो रही है: सरकार सो रही है

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। जयपुर के वरिष्ट समाजसेवी रवि शंकर धाभाई ने संवाददाता को बताया कि पीडब्ल्यूडी द्वारा संभाग द्वितीय व्रत ग्रामीण जयपुर खण्ड फुलेरा के तहत एक वर्क आर्डर जारी किया गया और गत 1 महीने से सेक्टर 4 वार्ड 24 ग्रेटर विद्याधर नगर की अच्छी खासी सीमेंट कांक्रीट सड़क को तोड़कर पटक रखा है लेकिन इसका निर्माण समय रहते सम्पूर्ण नहीं किया जा रहा है जिससे सेक्टर वासियों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । आगे सामाजिक कार्यकर्ता रवि शंकर धाभाई ने कहा कि विद्याधर नगर क्षेत्र से दिया कुमारी विधायक है वर्तमान समय मे उप मुख्यमंत्री व पीडब्ल्यूडी के मंत्री पद पर होने के बावजूद यह दयनीय व

बुरे हालत है जोकि सोचनीय व विचारणीय है । इस समस्या को लेकर सेक्टरवासियों में काफी रोष व आक्रोश व्याप्त है ।

भजनलाल शर्मा ने त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में पूजा अर्चना कर खुशहाली की कामना की

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को बांसवाड़ा के तलवाड़ा स्थित शक्ति पीठ त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने मंदिर में सपरिवार विधि-विधान से पूजा अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

इससे पहले हेलीपैड पहुंचने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का विधायक श्रीचन्द कृपलानी, कैलाशचन्द्र मीणा, बांसवाड़ा

जिला प्रमुख श्रीमती रेशम मालवीया, जिला कलक्टर डॉ. इन्द्रजीत यादव, पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अगरवाला सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने स्वागत किया।

होली के त्यौहार पर यात्रियों की सुविधा हेतु साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा का संचालन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। रेलवे द्वारा होली के त्यौहार पर यात्रियों की सुविधा हेतु गाडी संख्या 05023/05024, गोरखपुर-खातीपुरा (जयपुर)- गोरखपुर साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन किया जा रहा है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार-

गाडी संख्या 05023, गोरखपुर-खातीपुरा (जयपुर) साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा दिनांक 02.03.25 से 30.03.25 तक (05 ट्रिप) गोरखपुर से रविवार को 21.15 बजे रवाना होकर सोमवार को 17.30 बजे खातीपुरा पहुंचेगी।

इसी प्रकार गाडी संख्या 05024, खातीपुरा (जयपुर)-गोरखपुर साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा दिनांक 03.03.25 से 31.03.25 तक (05 ट्रिप) खातीपुरा से सोमवार को 18.50 बजे रवाना होकर मंगलवार को 14.45 बजे गोरखपुर पहुंचेगी।

यह रेलसेवा मार्ग में खलिलाबाद, बस्ती, गोंडा, बुढवल, सीतापुर, सीतापुर सिटी, बरेली, मुरादाबाद, गाजियाबाद, दिल्ली, दिल्ली कैंट, गुडगॉव, रेवाडी, अलवर एवं बांदीकुई स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

इस रेलसेवा में 01 फर्स्ट एसी, 02 सैकण्ड एसी, 09 थर्ड एसी, 04 द्वितीय शयनयान, 04 साधारण श्रेणी , 01 पावरकार व 01 गार्ड डिब्बा सहित कुल 22 डिब्बे होगे।

रमजान का चांद दिखाई दिया, रोजेदारों में खुशी की लहर

मनोहरपुर(रॉयल पत्रिका)। रमजान उल मुबारक के पवित्र महीने का चांद शनिवार को दिखाई देने के साथ ही रोजेदारों में खुशी की लहर दौड़ गई। अब रविवार से रोजे रखे जाएंगे और शनिवार रात से ही तरावीह की नमाज की शुरुआत हो चुकी है।

जामा मस्जिद के सदर जमील खान चौहान ने बताया कि जैसे ही चांद दिखने की पुष्टि हुई, लोगों ने एक-दूसरे को चांद की मुबारकबाद दी। सोशल मीडिया और व्हाट्सएप के जरिए भी बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया।

बाजारों में उमड़ी भीड़

चांद नजर आने के बाद लोग सेहरी की तैयारी के लिए बाजारों में खरीदारी करने निकल पड़े। दुकानों पर चावल, सेवईं, फल, ब्रेड, ठोस सामान समेत जरूरी चीजें खरीदते लोगों की भीड़ नजर आई।

तरावीह की नमाज शुरू

रमजान की पहली रात ईशा की नमाज के बाद तरावीह की विशेष 20 रकात नमाज पढ़ी गई। इस दौरान हाफिज-ए-कुरान कुरान शरीफ की तिलावत कराते हुए नमाज अदा करवा रहे हैं।

रोजेदारों का इबादत में रंग

रमजान के इस पाक महीने में बच्चे, बुजुर्ग, युवा और महिलाएं पूरे सब्र के साथ इबादत में लगे रहेंगे और अपने रब को राजी करने का प्रयास करेंगे।

शंकरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में राष्ट्रीय युवा महोत्सव के अंतर्गत इंटर कॉलेज टूर्नामेंट का भव्य आगाज, ग्लोबल हैकाथॉन की तैयारियां भी तेज

मनोहरपुर(रॉयल पत्रिका)। शंकरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव के अंतर्गत इंटर कॉलेज कंपटीशन टूर्नामेंट का उद्घाटन शानदार अंदाज में किया गया। समारोह में देश के प्रमुख वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिनमें भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के डीजी संजीव उपाध्याय, एजीएम हेमंत शर्मा और यूनियन बैंक, जयपुर के राजकुमार मीना मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

उद्घाटन समारोह की भव्यता

कार्यक्रम की शुरुआत में शंकरा ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. संत कुमार चौधरी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान की उपलब्धियों और छात्रों की सफलता पर प्रकाश डाला। इसके बाद अतिथियों ने **दीप प्रज्वलन कर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया।**

एसबीआई के डीजी संजीव उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि "खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का अहम हिस्सा हैं। शंकरा ग्रुप केवल तकनीकी शिक्षा ही नहीं, बल्कि युवाओं के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास पर भी पूरा

ध्यान देता है।" उन्होंने एसबीआई की ओर से छात्रों के लिए वित्तीय सहायता और करियर निर्माण में सहयोग का आश्वासन भी दिया।

एजीएम हेमंत शर्मा ने कहा, "शंकरा ग्रुप युवाओं के लिए तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद का भी शानदार मंच तैयार कर रहा है, जिससे विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता और टीम वर्क की भावना का विकास हो रहा है।"

यूनियन बैंक के राजकुमार मीना ने संस्थान के योगदान की सराहना करते हुए कहा, "यह संस्था समाज के हर वर्ग के विद्यार्थियों को समान अवसर देती है, जो कि देश के भविष्य के लिए प्रेरणादायक है।"

शानदार खेल मुकाबले, प्रतिभा का जलवा

उद्घाटन मैच में शंकरा तकनीकी शिक्षा महाविद्यालय के बीटेक द्वितीय वर्ष के छात्रों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया, वहीं विवेक पीजी कॉलेज, कालवाड़ ने भी कड़ी टक्कर देते हुए जीत दर्ज की। टूर्नामेंट में विभिन्न कॉलेजों की दर्जनों टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें फुटबॉल, वॉलीबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन जैसे खेल शामिल हैं।

इन प्रतिस्पर्धाओं का उद्देश्य सिर्फ जीत हासिल करना नहीं, बल्कि छात्रों में खेल भावना, अनुशासन और टीम वर्क को बढ़ावा देना है। इस आयोजन से छात्र न केवल खेल के मैदान में, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में सफल बनने के गुर सीख रहे हैं।

ग्लोबल हैकाथॉन की तैयारियां जोरों पर

इसी क्रम में शंकरा ग्रुप द्वारा आयोजित होने वाले शंकरा ग्लोबल हैकाथॉन की तैयारियां भी जोरों पर हैं। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देश-विदेश की 300 से अधिक टीमें भाग लेंगी।

संस्थान के अध्यक्ष डॉ. संत कुमार चौधरी के नेतृत्व में प्रतियोगिता स्थल, आवास और भोजन की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। अनुमान है कि इस दौरान एक दिन में लगभग 3000 प्रतिभागियों की आवास और भोजन की समुचित व्यवस्था रहेगी।

इस ऐतिहासिक आयोजन के निर्णायक मंडल में देश के तकनीकी और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल किए गए हैं, जो प्रतिभागियों के विचारों और परियोजनाओं का मूल्यांकन करेंगे।

खास बात यह है कि इस अवसर पर राजस्थान के महामहिम राज्यपाल महोदय स्वयं विद्यार्थियों के साथ संवाद करेंगे और उन्हें मार्गदर्शन देंगे, जिससे सभी प्रतिभागियों को विशेष प्रेरणा मिलेगी।

समग्र विकास की दिशा में शंकरा ग्रुप की अनूठी पहल

शंकरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि वे सिर्फ शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित मंच हैं। तकनीकी शिक्षा, खेल, नवाचार और सामाजिक समरसता को साथ लेकर चलने वाले इस संस्थान का प्रयास है कि विद्यार्थी न केवल अपने विषय में पारंगत हों, बल्कि समाज के योग्य नागरिक भी बनें।

इन आयोजनों से विद्यार्थियों को नेतृत्व कौशल, समस्या समाधान क्षमता, टीम मैनेजमेंट, समय प्रबंधन जैसी महत्वपूर्ण दक्षताओं का विकास करने का अवसर मिल रहा है। यही नहीं, छात्रों को वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का भी मौका मिल रहा है, जिससे उनके करियर में भी मजबूती आएगी।

शंकरा ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. संत कुमार चौधरी ने कहा, "हमारा लक्ष्य युवाओं को शिक्षा के हर क्षेत्र में श्रेष्ठ बनाना है। शारीरिक, मानसिक और तकनीकी सभी क्षेत्रों में बेहतरीन माहौल देना हमारी प्राथमिकता है। आने वाले समय में हम और भी बड़े आयोजनों की योजना बना रहे हैं।"

शंकरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स का यह आयोजन न केवल छात्रों के लिए एक सुनहरा अवसर है, बल्कि यह दिखाता है कि सही दिशा, बेहतर मंच और प्रेरक वातावरण मिल जाए तो युवा किसी भी मुकाम को हासिल कर सकते हैं।

आगामी शंकरा ग्लोबल हैकाथॉन और इंटर कॉलेज टूर्नामेंट के माध्यम से यहां के विद्यार्थी वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाएंगे, ऐसा विश्वास है।

खबर संक्षेप

35 परीक्षा केंद्रों पर बंद मिले सीसीटीवी कैमरे

आगरा। जिले में यूपी बोर्ड के 35 परीक्षा केंद्रों के कुछ देर के लिए

सीसीटीवी कैमरे बंद मिले। शासन के नियंत्रण कक्ष से इनका संपर्क टूटने पर रिपोर्ट डीआईओएस को भेजी गई। डीआईओएस ने नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। गणित के पेपर में तीन केंद्रों पर नकल कराने की शिकायत आने पर सचल दल से जांच कराई गई। केंद्र व्यवस्थापकों को नोटिस देकर जवाब मांगा है।

जनाधार वाले नेताओं को ही इस बार टिकट मिलेगा

पटना। बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने कहा कि इस बार के विधानसभा चुनाव में टिकट

बंटवारे में जनाधार वाले व्यक्ति को ही तरजीह दी जाएगी। इसलिए कांग्रेस मुख्यालय का गणेश परिक्रमा करने के बजाए लोगों के बीच जाकर काम करें। संगठन को मजबूत बनाएं। कांग्रेस प्रभारी ने कहा टिकट में भी सभी वर्गों की हिस्सेदारी होगी।

यूपी में हादसों पर सख्त दिखे सीएम योगी, छुट्टी के दिन अफसरों की बुलाई बैठक

सड़क दुर्घटना रोकने फूड प्लाजा की तरह एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर अस्पताल भी हों

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

यूपी में हो रहे हादसों पर सीएम योगी सख्त नजर आए। सीएम योगी ने छुट्टी के बावजूद रविवार को अफसरों की बैठक बुलाई।बैठक में सीएम योगी ने अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। सीएम योगी ने कहा, प्रदेश के सभी एक्सप्रेस-वे के दोनों तरफ फूड प्लाजा की तरह अस्पताल की भी व्यवस्था करें। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की मीटिंग में मुख्यमंत्री ने राज्य में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस बैठक में संबंधित विभागों के मंत्री, शासन स्तर के अधिकारी, सभी मंडलों के मंडलायुक्त, सभी जनपदों के जिलाधिकारी, पुलिस आयुक्त और पुलिस अधीक्षक (एसपी) मौजूद रहे।

एक्सप्रेस-वे के किनारे शराब की दुकानें नहीं होंगी

दुर्घटनाओं को रोकने के लिए समन्वय बढ़ाने के निर्देश

2024 में यूपी में 46,052 सड़क दुर्घटनाएं

सड़क दुर्घटनाओं के वार्षिक आंकड़ों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 में उत्तर प्रदेश में 46,052 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें कुल 34,600 लोग घायल हुए और 24 हजार से अधिक मौतें हुईं। उन्होंने कहा कि ये आंकड़े बेहद दुखद हैं और इनमें हर हाल में कमी लानी होगी। योगी ने कहा कि सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी विभाग आपसी समन्वय एवं सामूहिक प्रयासों के जरिये सड़क दुर्घटनाओं की घटनाओं पर अंकुश लगाएं और प्रदेश के सभी मार्गों पर 'ब्लैक स्पॉट' को चिन्हित कर उन्हें ठीक कराएं। मुख्यमंत्री ने सड़क हादसों में घायल लोगों के इलाज के विषय में चिंता जाहिर करते हुए कहा, 'सभी एक्सप्रेस-वे के दोनों तरफ फूड प्लाजा की तरह अस्पताल की व्यवस्था करें। साथ ही सभी मंडल मुख्यालयों के अस्पतालों में ट्रामा सेंटर, एंबुलेंस और प्रशिक्षित कर्मियों की तैनाती भी सुनिश्चित की जाए।'

जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर दिया जोर

योगी ने कहा कि तेज रफ्तार से वाहन चलाना, नशे में वाहन चलाना, गलत दिशा में वाहन चलाना, सिग्नल तोड़ना और मोबाइल फोन का इस्तेमाल सड़क दुर्घटना घटित होने के मुख्य कारक हैं, जिन्हें लेकर लोगों में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग और उच्च शिक्षा विभाग अपने स्कूल-कॉलेज में सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न गतिविधियों को आयोजित कर जागरूकता फैलाएं।

75 जनपदों में से दुर्घटनाओं में ज्यादा जनहानि 20 जनपदों में

योगी ने कहा कि वर्ष 2024 में प्रदेश के 75 जनपदों में हुई दुर्घटनाओं में सबसे ज्यादा 20 जनपदों-हरदोई, मथुरा, आगरा, लखनऊ, बुलंदशहर, कानपुर नगर, प्रयागराज, सीतापुर, उन्नाव, बाराबंकी, लखीमपुर-खीरी, बरेली, अलीगढ़, गौतमबुद्धनगर, शाहजहांपुर, गोरखपुर, कुशीनगर, बदायूं, मेरठ और बिजनौर में जनहानि हुई। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सड़क हादसों में हुए कुल मौतों में 42 प्रतिशत इन जनपदों में दर्ज की गईं। उन्होंने मौतों को नियंत्रित करने के लिए दुर्घटना के कारकों को खोजने एवं लोगों में सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यह आवश्यक है कि जनपद स्तर पर प्रत्येक माह एवं मंडल स्तर पर त्रैमासिक मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक अनिवार्य रूप से हो।

हाई कोर्ट ने लगाया हर्जाना

11 करोड़ घूस मामले में झारखंड के पूर्व सीएम मधु कोड़ा पर ऐक्शन

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा पर चार हजार का हर्जाना लगाया है। मामला राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण में गड़बड़ी से जुड़ा है। मधु कोड़ा पर 11 करोड़ रुपए से ज्यादा घूस लेने का आरोप लगा था। इस मामले में मधु कोड़ा जेल भी जा चुके हैं। अब मामले में बार-बार समय लेने के बाद भी जवाब दाखिल नहीं किए जाने पर कोर्ट ने हर्जाना लगाया है। अदालत ने हर्जाने की राशि झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार में जमा करने का निर्देश दिया है। मामले में अगली सुनवाई छह सप्ताह बाद होगी।

जवाब देने के लिए कोड़ा ने समय मांगा

इस मामले में मधु कोड़ा पर निचली अदालत ने आरोप तय किया है। आरोप गठन को चुनौती देते हुए कोड़ा ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इस मामले में मधु कोड़ा की ओर से जवाब देने के लिए हर बार समय लिया जाता रहा, पर अबतक जवाब दाखिल नहीं किया गया है। इसके पूर्व भी अदालत ने कोड़ा पर 17 जनवरी 2025 को दो हजार रुपए और 13 दिसंबर 2024 को 1000 रुपए हर्जाना लगाया था।

पद के दुरुपयोग का आरोप

कोड़ा पर मुख्यमंत्री रहते पद के दुरुपयोग का आरोप लगा है। पद का दुरुपयोग करते हुए हैदराबाद की बिजली कंपनी आईवीआरसीएल के डायरेक्टर डीके श्रीवास्तव से मुंबई में 11.40 करोड़ रुपए घूस ली थी। साथ ही कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए उसे लातेहार, गढ़वा और पलामू समेत छह जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युतीकरण का टेंडर दिया था। सीबीआई जांच से जुड़े इस मामले में मधु कोड़ा ढाई साल जेल में भी रहे थे।

होली पर घर वापसी को आसान करेंगी 72 विशेष ट्रेनें और बसें

5 मार्च से कई ट्रेनों का संचालन शुरू होगा, रेलवे 72 विशेष ट्रेनें और रोडवेज 4 सौ बसें चलाएगा

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

होली पर यात्रियों के सफर को आसान बनाने के लिए रेलवे 72 विशेष ट्रेनें चलाएगा। ये ट्रेनें 17 अलग-अलग रूट पर चलेंगी। इससे दिल्ली, मुंबई, पटना, अहमदाबाद, जयपुर आदि रूटों पर जाने वाले करीब 30 हजार यात्रियों को राहत मिलेगी। पांच मार्च से कई ट्रेनों का संचालन भी शुरू किया जा रहा है। कुछ ट्रेनों की समय सारिणी तीन से चार दिन में जारी हो जाएगी।

बिहार की नियमित ट्रेनों में वेटिंग को देखते हुए रेलवे प्रशासन लखनऊ से छपरा व छपरा से लखनऊ के बीच होली विशेष ट्रेन वंदे भारत चलाने जा रहा है। ट्रेन नंबर 02270/02269 दोनों ओर से पांच से 17 मार्च तक मंगलवार को छोड़कर चलाई जाएगी।इस विशेष ट्रेन में

सीटों की बुकिंग सोमवार तीन मार्च से खुलेगी। नई दिल्ली से गोरखपुर वाया लखनऊ के बीच साप्ताहिक होली विशेष ट्रेन सात मार्च से चलेगी। ट्रेन नंबर 04022 नई दिल्ली से 07, 14 व 21 मार्च को चलेगी। वापसी में गोरखपुर से 08, 15 व 22 मार्च को चलेगी। यह ट्रेन गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, लखनऊ जंक्शन, बाराबंकी, गोंडा, बस्ती होकर चलेगी।

20 रुपये में बेचा रहा 15 रुपए का रेलनीर

चारबाग रेलवे स्टेशन पर बीते दिनों रेलनीर 15 की जगह 20 रुपए में बेचने की शिकायत हुई थी। इस पर रेलवे स्टेशन पर एनाउंसमेंट के जरिये यात्रियों को जागरूक किया जा रहा है। इसमें स्टेशन पर रेलनीर 15 रुपये में ज्यादा की बिक्री पर शिकायत करने की सलाह दी जा रही।

लखनऊ से इन शहरों के बीच चलेंगी होली स्पेशल

होली के दौरान लखनऊ से दिल्ली, कानपुर, गोरखपुर, बहराइच, गोंडा, आजमगढ़, देहरादून, हरिद्वार, बनारस, प्रयागराज, आगरा और रायबरेली के बीच सबसे ज्यादा सवारियों के आवागमन की संभावना है। इसे देखते हुए होली स्पेशल बसों का आवंटन हर रूट के लिए किया गया है। इस संबंध में लखनऊ परिक्षेत्र के सभी सातों डिपो को आरएम की ओर से दिशा निर्देश भेज दिए गए हैं। आठ दिनों तक संचालित होने की होली स्पेशल बसें चारबाग, आलमबाग, कैसरबाग, अवध, रायबरेली बाराबंकी, हैदरगढ़, उपनगरीय डिपो शामिल हैं। एसी बसें भी संचालित की जाएंगी।

होली पर परिवहन निगम चलाएगा 400 बसें

दिल्ली और पूर्वांचल का सफल होली पर आसान होगा। परिवहन निगम लखनऊ के चार बस अड्डों से हर दिन रोजाना 400 अतिरिक्त बसें चलाएगा। होली स्पेशल के रूप में यह बसें 13 शहरों के बीच नॉन स्टॉप सेवाओं के रूप में चलेंगी। 10 से 17 मार्च तक इनका संचालन किया जाएगा। यात्रियों को बसों की सुविधा आलमबाग, चारबाग, कैसरबाग और अवध स्टेशन से मिलेगी। एकमुश्त सवारी होने पर बसों को सीधा रवाना किया जाएगा। इनके यात्रियों को बीच रास्ते सवारी उतारने और चढ़ाने के झंझट से मुक्ति मिलेगी। बस अड्डों पर यात्रियों के बैठने से लेकर खान-पान की व्यवस्थाएं ठीक करने के निर्देश दिए गए हैं।

चलेगी सीधी बसें

यात्रियों की भीड़ की संभावना देखते हुए दिल्ली और पूर्वांचल के लिए 400 अतिरिक्त बसें सीधी बस सेवा के रूप में संचालित किया जाएगा। इसके लिए ड्राइवर-कंडक्टर और कर्मियों को दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं।

वन्यजीवों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर चर्चा की

वनतारा पशु संरक्षण केंद्र को परखा, अंबानी परिवार रहा साथ

एजेंसी ▶▶ जामनगर

> 3 हजार एकड़ में फैला वनतारा रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी के परिसर में स्थित है। यह वन्यजीवों के कल्याण के लिए समर्पित बचाव केंद्र है तथा दुर्व्यवहार और शोषण से बचाए गए पशुओं को अभयारण्य, पुनर्वास व चिकित्सा देखभाल प्रदान करता है। इसका उद्देश्य वन्यप्राणियो का संरक्षण व सुरक्षा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार सुबह गुजरात के जामनगर जिले में पशु बचाव, संरक्षण एवं पुनर्वास केंद्र वनतारा का दौरा किया। 3 हजार एकड़ में फैला वनतारा

रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी के परिसर में स्थित है। यह वन्यजीवों के कल्याण के लिए समर्पित बचाव केंद्र है तथा दुर्व्यवहार और शोषण से बचाए गए पशुओं को अभयारण्य, पुनर्वास व चिकित्सा देखभाल प्रदान करता है। वनतारा की अपनी यात्रा के दौरान पीएम मोदी के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी, उनकी पत्नी नीता, उनके बेटे अनंत और बहू राधिका भी थे। वनतारा 200 से अधिक बचाए गए हाथियों का घर है। पीएम मोदी गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर शनिवार की शाम जामनगर पहुंचे। यहां सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम के बाद रविवार को उन्होंने रिलायंस फाउंडेशन के पशु बचाव और पुनर्वास केंद्र वनतारा का दौरा किया। इस दौरान प्रधानमंत्री गिर जिले में सासन गिर नेशनल पार्क भी जाएंगे और जंगल सफारी का आनंद लेंगे।

पीएम मोदी तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे जामनगर

उनके साथ रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी, पत्नी नीता, बेटे अनंत और बहू राधिका भी थे।

वनतारा की पहचान विश्व स्तरीय पशु चिकित्सा के रूप में मिली

वनतारा पशुओं की आजीवन देखभाल, पुनर्वास और इलाज के लिए काम करता है। यह 3 हजार एकड़ में फैला है, जहां पर 240 से ज्यादा बचाए गए हाथी हैं। वनतारा की पहचान उसकी विश्व स्तरीय पशु चिकित्सा की वजह से बनी है। वनतारा में पशुओं के लिए विश्व स्तरीय हेल्थकेयर, अस्पताल, रिसर्च और एकेडमिक सेंटर हैं।

शनिवार शाम जामनगर पहुंचे

प्रधानमंत्री मोदी गुजरात यात्रा के दौरान कई कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए शनिवार शाम यहां पहुंचे। जामनगर वायुसेना स्टेशन पर उनके पहुंचते ही उनकी एक झलक पाने के लिए लोग सड़कों पर उमड़ पड़े। पीएम मोदी गिर वन्यजीव अभयारण्य के मुख्यालय सासन में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) की बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे। आज सासन में रात्रि विश्राम के बाद पीएम मोदी सोमवार को जंगल सफारी का आनंद लेंगे।

कभी हो गए थे दिवालिया, पत्नी की सैलरी से हुआ गुजारा... किस्मत ने फिर दिया मौका तो बने अकूत दौलत के मालिक

नई दिल्ली, एजेंसी। योगेश मेहता की कहानी किसी फिल्म से कम नहीं है। उन्होंने जिंदगी में जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखे हैं। दिवालियापन से लेकर अरबों डॉलर के बिजनेस तक का उनका सफर प्रेरणादायक है। पत्नी के सहयोग और दुबई में नए सिरे से कारोबार की शुरुआत करने की उनकी क्षमता ने उन्हें कामयाबी दिलाई। वह संघर्ष करने से कभी पीछे नहीं हटे। इसकी बदौलत ही उन्होंने सबकुछ गंवाने के बाद दोबारा अरबों का साम्राज्य खड़ा कर दिया। वह पेट्रोकेम मिडिल ईस्ट के संस्थापक और सीईओ हैं। उनकी गिनती केमिकल डिस्ट्रीब्यूशन इंडस्ट्री के बड़े नामों में होती है। आइए, यहां योगेश मेहता की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से एमबीए

योगेश मेहता पेट्रोकेम मिडिल ईस्ट के संस्थापक और सीईओ हैं। केमिकल डिस्ट्रीब्यूशन उद्योग की वह जानी-मानी हस्ती हैं। मुंबई के नेशनल कॉलेज बांद्रा से केमिस्ट्री में बीएससी करने के बाद उन्होंने अपने पिता की केमिकल फैक्ट्री में काम शुरू किया। हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से 2003 में उन्होंने एक्जीक्यूटिव एमबीए भी किया।

निसान के सीईओ की होगी छुट्टी?

होंडा डील फेल होने के बाद कंपनी कर रही नया प्लान!

नई दिल्ली, एजेंसी। निसान मोटर कंपनी अपने मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को बदलने की तैयारी कर रही है। कंपनी की कमजोर वित्तीय स्थिति और होंडा के साथ विलय डील के टूटने के बाद यह फैसला लिया जा सकता है।

होंडा से डील फेल, अब सीईओ की कुर्सी खतरे में!- निसान के डायरेक्टर नए सीईओ की तलाश कर रहे हैं। मौजूदा सीईओ माकोतो उचिदा, जो पिछले 22 सालों से कंपनी में हैं, साल 2019 से सीईओ के पद पर हैं। हालांकि, निसान की आर्थिक हालत खराब होने के कारण अब उनके हटने की अटकलें तेज हो गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सूत्रों ने पहचान न बताने की शर्त पर यह जानकारी दी है, क्योंकि विचार-विमर्श निजी है। निसान ने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उचिदा ने हाल ही में कहा था कि अगर उनसे पद छोड़ने के लिए कहा जाता है, तो वह तैयार हैं। लेकिन वह निसान की हालत सुधारने के बाद ही ऐसा करना चाहेंगे। उन्होंने निवेशकों को यह भी बताया कि मार्च में खत्म होने वाले वित्तीय वर्ष में कंपनी को 80 अरब येन (536 मिलियन डॉलर) का नुकसान हो सकता है। जबकि 9 महीने पहले कंपनी को 380 अरब येन का मुनाफा होने की उम्मीद थी।

होंडा और निसान के बीच डील क्यों फेल हुई?- पिछले साल उचिदा ने होंडा के साथ गठजोड़ करने की योजना बनाई थी। दोनों कंपनियों ने संयुक्त होल्डिंग कंपनी बनाने के लिए एक समझौता किया था, लेकिन शर्तों पर सहमति नहीं बनने के कारण यह डील रद्द हो गई। हालांकि, होंडा और निसान अब भी मित्सुबिशी मोटर्स के साथ मिलकर इलेक्ट्रिक-व्हीकल बैटरियों और सॉफ्टवेयर डेवेलपमेंट पर काम करेंगे।

निसान की आर्थिक स्थिति क्यों बिगड़ी?

निसान पर अगले साल बड़ी कर्ज राशि चुकाने का दबाव है, और तीनों बड़ी क्रेडिट एजेंसियों ने इसकी रेटिंग को जंक कैटेगरी में डाल दिया है। कंपनी को उपभोक्ताओं को आकर्षित करने में मुश्किल हो रही है क्योंकि उसके वाहन पुराने मॉडल पर आधारित हैं। इसके चलते उसे बड़े डिस्काउंट और प्रमोशन्स देने पड़ रहे हैं, जिससे उसका घाटा बढ़ता जा रहा है। बीते नवंबर में कंपनी ने 9,000 कर्मचारियों की छंटनी और 20 प्रतिशत उत्पादन क्षमता कम करने की योजना का एलान किया था।

निसान को नया पार्टनर मिल सकता है?

निसान की सबसे बड़ी शेयरहोल्डर और पुरानी साझेदार रेनो एसए ने होंडा के साथ डील खत्म करने के फैसले का समर्थन किया। रेनो के सीईओ लुका डे मेओ ने यह भी कहा कि भविष्य में चीन की झेजियांग गीली होल्डिंग ग्रुप कंपनी शायद निसान की तुलना से बेहतर पार्टनर हो सकती है।

इसी बीच, आईफोन बनाने वाली कंपनी हॉन हाई प्रिसिजन इंडस्ट्री कंपनी जिसे ग्रश×ष्ण्ठ्ठ (फॉक्सकॉन) के नाम से जाना जाता है, ने दिसंबर में निसान में हिस्सेदारी खरीदने की पेशकश की थी और अब रेनो के 36 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए भी तैयार है। फॉक्सकॉन इलेक्ट्रिक-व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग में अपनी जगह बनाना चाहती है और इसके लिए पार्टनर की तलाश कर रही है।

इसके अलावा, अमेरिकी निजी इक्विटी फर्म केकेआर एंड कंपनी ने निसान में निवेश करने पर विचार कर रही है, जिससे कंपनी की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। जैसा कि ब्लूमबर्ग न्यूज ने इस महीने की शुरुआत में मामले से परिचित लोगों के हवाले से बताया था।

डेटानेट इंडिया ने इंडियास्टेटक्विज़.कॉम के लॉन्च के साथ 25 साल पूरे किए

मुंबई, एजेंसी। भारत तथा इसके राज्यों, जिलों और चुनावी क्षेत्रों पर सामाजिक-आर्थिक सांख्यिकीय डेटा प्रदान करने वाली अग्रणी कंपनी डेटानेट इंडिया ने क्विज प्रतियोगिताओं और ओलपियाड के लिए समर्पित मंच इंडिया स्टेट क्विज डाट काम के लॉन्च के साथ पोर्टफोलियो में वृद्धि करके अपनी स्थापना के 25वें वर्ष में प्रवेश किया है। इस नई पहल का उद्देश्य भारत के सामाजिक-आर्थिक और चुनावी परिदृश्य के बारे में सार्वजनिक जुड़ाव और जागरूकता बढ़ाना है।

पिछले 25 सालों से डेटानेट इंडिया अपने मुख्य पोर्टल इंडिया स्टेट क्विज डाट काम के माध्यम से प्रामाणिक और उच्च गुणवत्ता वाले डेटा के लिए एक वेबसाइट के रूप में अपनी विश्वसनीयता स्थापित कर रहा है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर, कंपनी समाज को ज्ञान प्राप्त करने, विश्लेषणात्मक रूप से सोचने और राष्ट्रीय विकास का हिस्सा बनने में मदद करने के लिए इंटरैक्टिव क्विज-आधारित शिक्षा शुरू कर रही है। इसके लॉन्च के हिस्से के रूप में, इंडिया स्टेट क्विज़ डाट काम भारतीय अर्थव्यवस्था- आर्थिक सर्वेक्षण 2024-2025 और केंद्रीय बजट 2025-2026 के विषय पर एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी आयोजित कर रहा है। प्रतियोगिता भारत में स्नातक और उससे ऊपर के छात्रों के लिए खुली है और उन्हें भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में अधिक जानने का एक रोचक मंच प्रदान करती है। इस क्विज़ में भागीदारी निःशुल्क है।

नेस्ले इंडिया ने महाकुंभ 2025 में रचा सौहार्द और एकजुटता का माहौल

मुंबई, एजेंसी। नेस्ले इंडिया महाकुंभ में बहुत सारी मजेदार चीजें करने के लिए तैयार है, जिनसे लोगों को अच्छा लगेगा, उन्हें आराम मिलेगा और सब एक-दूसरे से मिल-जुल पाएंगे। इसमें मैगी और किटकैट जैसे उनके मशहूर ब्रांड भी होंगे, और वो हर आगंतुक के अनुभव को और भी खास बना देंगे। दुनिया के इतने बड़े मेले में, नेस्ले चाहता है कि सब लोग एक साथ आएं, थोड़ी देर आराम करें और खुशी के पल बिताएं। इसकी सभी गतिविधियों में एक प्रमुख गतिविधि है मैगी महाकुंभ कैम्पेन ''2 मिनट अपनों के लिये'', जिसमें लोगों को साथ लाने के लिये मैगी की भूमिका के बारे में बताया गया है। मैगी ने इसके लिये खास ब्रैंडेड ज़ोन्स और डेडिकेटेड सेल्फी पॉइंट्स स्थापित किये हैं, जहाँ आगंतुक गरमा-गरम मैगी का मजा लेते हुए अपने ''मैगी मोमेंट्स'' को संजो सकते हैं। अपनी सामुदायिक पहल के तहत नेस्ले इंडिया ने सफाई कर्मचारियों को 12000 कंबल वितरित किये और 2-मिनट मैगी मील्स भी परोसी। महाकुंभ को संभव बनाने वाले इन लोगों को कंपनी ने गर्माहट का अहसास और पोषण प्रदान किया।

इन पहलों पर अपनी बात रखते हुए, नेस्ले इंडिया में प्रीपेयर्ड डिशेज और कुकिंग ऐड की डायरेक्टर रूपाली रत्तन ने कहा, ''इस महाकुंभ में नेस्ले मैगी ने अपने कैम्पेन '2 मिनट्स अपनों के लिये' से लोगों को एकजुट किया है। मैगी चार दशकों से ज्यादा समय से भारतीय परिवारों का हिस्सा बना हुआ है और हमेशा से एकजुटता का प्रतीक रहा है। इस कैम्पेन के माध्यम से मैगी ने मैगी कॉर्नर्स स्थापित किये हैं, जोकि कुंभ में आने वाले लोगों को आराम देते हैं।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल सॉल्यूशंस ने इंडिया डिज़ाइन मार्क अवार्ड्स 2024 में हासिल किये कई पुरस्कार

मुंबई। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप की व्यावसायिक इकाई, लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल सॉल्यूशंस को इसके आठ अग्रणी उत्पादों के लिए प्रतिष्ठित इंडिया डिज़ाइन मार्क अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया। ये पुरस्कार नवोन्मेष, बेहतर कार्यक्षमता और अत्याधुनिक डिज़ाइन के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।

पुरस्कार हासिल करने वाले उत्पादों में होम डेकोर हैंडल- एचडीएच 01, एचडीएच 02, एचडीएच 03, एचडीएच 06, एचडीएच 07 और एचडीएच 10- के साथ-साथ स्लाइडिंग डोर के लिए वार्डरोब साइड लॉक और कैटस होटल इंटरकनेक्टेड लॉक शामिल हैं। ये उत्पाद आधुनिक भारतीय घरों की ज़रूरतों को पूरा करने से जुड़े नए दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो बेहतर उपयोगिता, मज़बूती और खूबसूरती प्रदान करते हैं। वे नए दौर के घरों में में सहज एकीकरण सुनिश्चित करते हुए नए उद्योग मानक स्थापित करते हैं। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल सॉल्यूशंस के कार्यकारी उपाध्यक्ष और व्यवसाय प्रमुख, श्री श्याम मोटवानी ने कहा- नवोन्मेष और डिज़ाइन उत्कृष्टता, लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल सॉल्यूशंस की बुनियाद है। हर उत्पाद के डिज़ाइन पर बेहद ध्यान दिया जाता है और साथ ही यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाता है कि हर समाधान आर्किटेक्चर और डिज़ाइन के ताज़ातरीन रुझानों के अनुरूप होने के साथ-साथ व्यावहारिक रूप से भी बेहद उपयोगी हो। हर साल प्रतिष्ठित इंडिया डिज़ाइन मार्क अवार्ड्स जीतना घर की सुरक्षा, कार्यक्षमता और खूबसूरती के लिहाज़ से नए उद्योग मानक स्थापित करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। भारत के पहले मेड इन इंडिया आईओटी9 डिजिटल लॉक की शुरुआत करने से लेकर आर्किटेक्चरल फिटिंग और सिस्टम में अपने पोर्टफोलियो को नया रूप देने तक, हम सुरक्षा और डिजाइन की सीमाओं को आगे बढ़ाते रहते हैं। साल दर साल यह मान्यता प्राप्त करना उत्कृष्टता के प्रति हमारे समर्पण का प्रमाण है। यह हमें आगे बढ़ने और ऐसे समाधान बनाने के लिए प्रेरित करता है जो न केवल ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करें बल्कि इससे भी बढ़कर, जिससे घर स्मार्ट, सुरक्षित और अधिक स्टाइलिश बनें।

एआई की मदद से जीडीपी में 25-30 अरब डॉलर का योगदान देगा स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र

उपचार के बेहतर होंगे परिणाम

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल से 2025 तक भारत की जीडीपी में 25-30 अरब डॉलर का योगदान करेगी। साथ ही, इससे स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच, डायग्नोस्टिक्स और उपचार के परिणाम बेहतर होंगे। डेलॉय ने एक रिपोर्ट में कहा, भारत के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में एआई अपनाने की दर बढ़कर 40 फीसदी फीसदी से अधिक हो गई है। इसके साथ ही यह एफएमसीजी (30 फीसदी) और विनिर्माण (25 फीसदी) जैसे क्षेत्रों से आगे निकल गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इंडिया एआई मिशन और डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन एक्ट-2023 जैसी सरकार समर्थित पहल डिजिटल रूप से सशक्त स्वास्थ्य देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र के लिए प्लेटफॉर्म तैयार कर रही है।

भारत में वैश्विक लीडर बनने की क्षमता- रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की सर्जिकल खपत और डिस्पोजेबल निर्यात 2022-23 में बढ़कर 1.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया। यह आंकड़ा वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल बाजार में भारत की बढ़ती क्षमता और उपस्थिति को दर्शाता है। हालांकि, अपनी पूरी क्षमता के लिए स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को नियामकीय, श्रमबल प्रशिक्षण और बुनियादी ढांचे की सीमाओं जैसी चुनौतियों से पार पाना होगा। लक्षित निवेश और केंद्रित नीतिगत प्रगति के साथ भारत एआई संचालित स्वास्थ्य देखभाल में वैश्विक लीडर बन सकता है।

सैमसंग ने प्रीमियम डिज़ाइन और उत्कृष्ट ग्राहक सेवा के साथ स्मार्टफोन सर्विस सेंटर्स में किया बड़ा बदलाव

फिर से डिज़ाइन किए गए सर्विस सेंटर्स में आरामदायक लाउंज-स्टाइल में बैठने की व्यवस्था, बिल्ट-इन वायरलेस चार्जिंग और प्रोडक्ट सपोर्ट के लिए डेडीकेटेड कियोस्क होंगे

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने सर्विस सेंटर्स को नए सिरे से डिजाइन करके अपने स्मार्टफोन कस्टमर सर्विस अनुभव को बेहतर बनाया है। इस बदलाव का मकसद है कि लोगों को सर्विस भी आसानी से मिले और नए फोन खरीदने में भी मदद मिले। सैमसंग हमेशा से अच्छी सर्विस देने के लिए जाना जाता है, और यह कदम उनकी इस कोशिश को और भी मजबूत करता है।

सैमसंग ने अपने सर्विस सेंटर्स को नया रूप दिया है ताकि लोगों को हर तरह से अच्छी सुविधा मिल सके। नए डिज़ाइन किए गए सेंटरों में, सैमसंग के युवा ग्राहकों की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए, नई डिजिटल तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। यहाँ न सिर्फ अलग-अलग तरह के प्रोडक्ट देखने को मिलेंगे, बल्कि आधुनिक डायग्नोस्टिक टूल्स तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देंगे। इन टूल्स से फ़ोन की खराबी का भी सटीकता से पता लगाया जा सकेगा, जिससे समस्या का सही समाधान हो सके। अपग्रेड किए गए ये सेंटर पारंपरिक लेआउट से अलग हैं। इनमें आलीशान सोफा-स्टाइल सीटिंग की सुविधा है। यहां इनबिल्ट वायरलेस चार्जिंग स्टेशन हैं, जो लाउंज जैसा माहौल बनाते हैं।

रीइमेजिन्ड एक्सेसरी वॉल पर सैमसंग के वियरेबल्स की विस्तृत रेंज दिखाई गई है, जबकि अल्ट्रा-लार्ज डिजिटल स्क्रीन पर नए प्रोडक्ट इनोवेशन दिखाए गए हैं, जो आगंतुकों को एक शानदार अनुभव प्रदान करते हैं।

सैमसंग इंडिया में कस्टमर सैटिस्फैक्शन के वाइस प्रेसिडेंट सुनील कुटिन्हा ने कहा, पिछले दशकों में हमने अपने मौजूदा ग्राहकों को सपोर्ट देने के लिए सर्विस सेंटर्स के एक मजबूत नेटवर्क का विस्तार किया है जो हमारे सेल्स पार्टनर्स की जरूरतों के मुताबिक है।

अवीनो बेबी ने सेंसेटिव स्किन केयर पोर्टफोलियो का किया विस्तार

लॉन्च की शिशु के चेहरे के लिए विशेष रूप से तैयार डेली मॉइस्चर हाइड्रेटिंग फेशियल जेल क्रीम

नई दिल्ली, एजेंसी। शिशु की त्वचा स्वाभाविक रूप से नाजुक होती है, जिसे कोमल देखभाल और गहरी नमी की आवश्यकता होती है ताकि वह स्वस्थ, मुलायम और सुरक्षित बनी रहे। इसी को ध्यान में रखते हुए, अवीनो बेबी ने अपने उत्पादों की श्रृंखला में विस्तार करते हुए नई डेली मॉइस्चर हाइड्रेटिंग फेशियल जेल क्रीम लॉन्च की है।

यह फेशियल जेल क्रीम त्वचा में तुरंत समा जाती है और 24 घंटे तक नमी बनाए रखती है, वह भी बिना किसी चिपचिपाहट के। इसमें मौजूद ट्रिपल ओट एक्सट्रैक्ट और एवोकाडो ऑयल त्वचा को गहराई से पोषण देते हैं, उसे सुकून पहुंचाते हैं और नाजुक चेहरे की त्वचा की कोमलता बनाए रखते हैं। शिशु रोग विशेषज्ञों द्वारा अनुशंसित यह कोमल फॉर्मूला आपके नन्हें की त्वचा को हर दिन नमी और सुरक्षा का खास अहसास देता है। शिशु की त्वचा बड़ों की त्वचा की तुलना में पानी को तेजी से अवशोषित करती है, लेकिन उतनी ही तेजी से इसे खो भी देती है, क्योंकि उनकी त्वचा की सुरक्षा परत अभी विकसित हो रही होती है और नमी बनाए रखने में उतनी प्रभावी नहीं होती। शिशु के चेहरे की त्वचा शरीर के बाकी हिस्सों की तुलना में अधिक हाइड्रेटेड रहती है, लेकिन चूंकि यह पतली और बहुत नाजुक होती है, इसलिए इसमें नमी तेजी से कम हो सकती है। इसी कारण माता-पिता आमतौर पर शरीर के अन्य हिस्सों की तुलना में शिशु के चेहरे को अधिक मॉइस्चराइज करने पर ध्यान देते हैं। बेबी एक्जिमा शरीर के किसी भी हिस्से को प्रभावित कर सकता है, लेकिन शिशुओं के चेहरे पर इसका असर सबसे अधिक देखा जाता है। चूंकि चेहरे की त्वचा बेहद नाजुक होती है, इसलिए एक्जिमा से पीड़ित शिशुओं को आमतौर पर गालों, ठुड्डी और मुंह के आसपास दाने होने की समस्या होती है। भारत की शुष्क जलवायु के कारण शिशुओं का चेहरा बाहरी वातावरण और प्रदूषकों के संपर्क में अधिक रहता है, जिससे इसकी खास देखभाल जरूरी हो जाती है। चेहरे की कोमलता और नाजुकता के कारण इसे अतिरिक्त नमी और सुरक्षा की जरूरत होती है।

आकांक्षी भारत के जोश को दर्शाती है कोटक की नई ब्रांड फिलॉसफी - 'हौसला है तो हो जाएगा'

kotak
Kotak Mahindra Bank

मुंबई, एजेंसी। कोटक महिंद्रा बैंकने आज अपनी नई ग्रुप ब्रांड फिलॉसफी'हौसला है तो हो जाएगा'लॉन्च की है। यह सिर्फ एक विचारधारा नहीं, बल्कि कोटक के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। यह नई और दमदार ब्रांड फिलॉसफी कोटक की उस प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है, जिसके तहत वह सिर्फ एक बैंक बनकर नहीं, बल्कि आकांक्षी भारतीयों के लिए एक भरोसेमंद वित्तीय संस्थान बनने का लक्ष्य रखता है। इस विचारधारा को लोगों तक पहुंचाने के लिएकोटकएक बड़े स्तर पर मल्टी-चैनल मार्केटिंग कैंपेन शुरू कर रहा है, जो टेलीविजन, डिजिटल, प्रिंट, आउटडोर और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर चलेगा। इसका उद्देश्यभारतीयों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए बड़े कदम उठाने के लिए प्रेरित करनाहै। रोहित भसीन, प्रेसिडेंट - हेड अफ्लुएंट, एनआरआई, बिजनेस बैंकिंग और चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, कोटक महिंद्रा बैंकने कहा,'हौसला है तो हो जाएगा' सिर्फ एक ब्रांड फिलॉसफी नहीं, बल्कि कोटक के एक बड़े बदलाव की शुरुआत है।

बदलाव की दिशा में एक बड़ा कदम

आज के समय मेंआकांक्षा ही प्रगति की असली करंसीबन चुकी है। इसी सोच के साथकोटकअपने विभिन्न व्यवसायों को एक साझा विचारधारा से जोड़ रहा है। यह खासतौर पर उन लोगों के लिए है, जो बड़े सपने देखने की हिम्मत रखते हैं, बड़े लक्ष्य तय करते हैं और पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं।

शुरुआत से हीकोटकइन सिद्धांतों पर काम कर रहा है और अपने ग्राहकों कोबड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए आत्मविश्वास से भरा रहनेकी प्रेरणा देता रहा है।' हौसला है तो हो जाएगा 'इसी विश्वास को और मजबूत करता है।

ओटीटी पर धूम मचाने के लिए तैयार 'तंडेल'

नई दिल्ली। नागा चैतन्य और साई पल्लवी की 'तंडेल' ने 7 फरवरी, 2025 को रिलीज होने के बाद सिनेमाघरों में धूम मचा दी थी। चंदू मोंडेती द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने अच्छा प्रदर्शन किया और दर्शकों से सराहना प्राप्त की। अब, यह कुछ ही दिनों में अपने डिजिटल डेब्यू के लिए तैयार है। 'तंडेल' 7 मार्च को नेटफ्लिक्स पर कई भाषाओं में रिलीज होगी। इसकी घोषणा करते हुए ओटीटी पार्टनर ने लिखा, सरहदों के पार का सफर, हदों से परे की कहानी। तंडेल को 7 मार्च को नेटफ्लिक्स पर तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में देखें।

लाइफ Style

सामंथा

फिल्म इंडस्ट्री में पूरे किए 15 साल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने फिल्मी दुनिया में15 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर एक खास कार्यक्रम में सामंथा रुथ प्रभ को सम्मानित किया गया। यह लम्हा प्यार, पुरानी यादों और प्रशंसकों के उत्साह से भरा हुआ था। सामंथा ने इस बीच बेहतरीन साड़ी पहनी हुई थी। जब उन्होंने अवॉर्ड हासिल किया तब वह उत्साहित लग रही थीं।

सामंथा के फिल्मी दुनिया में 15 साल पूरे होने पर उन्हें 'एमसीआर ग्रुप ऑफ कंपनीज' की तरफ से सम्मानित किया गया। सामंथा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की, इसमें उन्होंने लिखा कि '15 साल। महान। सौभाग्यपूर्ण। प्यारे। बहुत कुछ आना बाकी है। धन्यवाद चेन्नई। सम्मान के लिए शुक्रिया।' सामंथा ने अवॉर्ड की जगह से साड़ी में अपनी कई फोचो शेयर की हैं। सामंथा ने अपने लुक को गोल्डन साड़ी और गहनों से पूरा किया था। सामंथा के काम की बात करें तो वह आखिरी बार 'सिटाडेल हनी बनी' में नजर आई थीं। उनके साथ वरुण धवन ने काम किया है। सामंथा ने साल 2010 में तेलुगू फिल्म 'ये माया चेसावे' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। इस फिल्म में सर्वश्रेठ डेब्यू अभिनेत्री के लिए उन्हें फिल्म फेयर अवॉर्ड मिला। उन्हें साल 2012 में 'नीथाने एन पोनवसंथम' तमिल फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवॉर्ड मिला। इसके साथ इसी साल में उन्हें तेलुगू फिल्म 'ईगा' में काम करने के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवॉर्ड दिया गया। इसके बाद उन्होंने इंडस्ट्री को कई बेहतरीन फिल्में दीं। उन्होंने अत्तरीनतिकी दरेदी (2013), कत्थी (2024), थेरी (2016), 24 (2016), मेरसल (2017) साल 2012 में सामंथा हिंदी फिल्म 'एक दीवाना था' में नजर आईं।

हॉलीवुड मसाला

सबसे ज्यादा कमाने वाले एक्टर

लॉस एंजिल्स। फोर्ब्स ने हाल ही में दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले मशहूर हस्तियों की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में 'द रॉक' ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। रेसलर से अभिनेता बने ड्वेन जॉनसन अक्सर अलग-अलग वजहों से सुर्खियों में रहते हैं। अब यह उपलब्धि हासिल करके वह एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। यह पहली बार नहीं है कि ड्वेन जॉनसन इस सूची में शामिल हो रहे हैं। अभिनेता पांचवीं बार इस सूची में शामिल हो रहे हैं।

फिल्मों में आने से पहले वेटर थे 'जेम्स बॉन्ड'

लॉस एंजिल्स। जेम्स बॉन्ड के नाम से मशहूर अभिनेता डेनियल क्रेग ने रविवार को अपना 57वां जन्मदिन मनाया। डेनियल 15 साल से बॉन्ड के किरदार के माध्यम से लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। डेनियल क्रेग फिल्मों में आने से पहले एक रेस्तरां में वेटर का काम किया करते थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक इंटरव्यू में उन्होंने खुद खुलासा किया था कि 16 साल की उम्र में उन्होंने जब पढ़ाई छोड़ दी तो खुद का पेट पालने के लिए वह वेटर का काम किया करते थे। उन्होंने यह भी कहा था कि वह अगर एक्टर ना बनते तो एक प्रोफेशनल वेटर बनते। डेनियल क्रेग ने अपने अभिनय कॅरियर की शुरुआत फिल्म द पावर ऑफ वन से किया।

एक्टर्स को कोई प्लस साइज नहीं बोलता

मुंबई। अंजलि आनंद ने टीवी सीरियल, फिल्म और वेब सीरीज जैसे सभी मीडियम में काम किया है। अलग-अलग किरदार और जॉनर के प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रही हैं। लेकिन, उनकी एक्टिंग को सराहने की बजाय उनको बस एक प्लस साइज एक्ट्रेस के तौर पर ही पहचाना जा रहा है। ऐसे में अंजलि का कहना है कि ऐसा सिर्फ फीमेल एक्ट्रेस के साथ होता है, हीरो या मेल एक्टर्स के साथ ऐसा कोई सिचुएशन क्रिएट नहीं होती है। हाल ही में एक इंटरव्यू में अंजलि आनंद बताती हैं कि कभी किसी ने गोविंदा को, ऋषि कपूर जी को नहीं कहा कि वे प्लस साइज एक्टर हैं। लेकिन, एक महिला कलाकार को आसानी से प्लस साइज एक्ट्रेस कहा जाता है। मुझे भी अंजलि आनंद प्लस साइज एक्ट्रेस के तौर पर भी जाना जाता है।

'शादी में जरूर आना' 7 को री-रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड में फिल्मों को दोबारा रिलीज करने का चलन जोर पकड़ रहा है और दीपक मुकुट की सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट इस ट्रेंड में अपनी फिल्में जोड़ रहे हैं। सनम तेरी कसम (2016) की सफल री-रिलीज के बाद दीपक मुकुट अब 2017 में रिलीज हुई फिल्म 'शादी में जरूर आना' को सिनेमाघरों में वापस लाने के लिए पूरी तरह तैयार है। राजकुमार राव और कृति खरबंदा की फिल्म 'शादी में जरूर आना' 7 मार्च को महिला दिवस पर री-रिलीज होगी। राजकुमार राव ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म का पोस्टर जारी करते हुए इसकी री-रिलीज पर खुशी जाहिर की है। मूल रिलीज के समय यह फिल्म 'फ्लॉप' साबित हुई थी। हालांकि, कुछ वर्षों के दौरान इस फिल्म ने अपनी कहानी से कई दर्शक जुटाए। इस फिल्म का बजट 13 करोड़ रुपए था।

टीवी मसाला

क्या नागिन के सातवें सीजन में नजर आने वाली हैं अविका ?

नई दिल्ली। एकता कपूर के धारावाहिक 'नागिन' के सातवें सीजन में अभिनय को लेकर अभिनेत्री अविका गौर का नाम सामने आ रहा है। इन अटकलों पर एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक सवाल करके

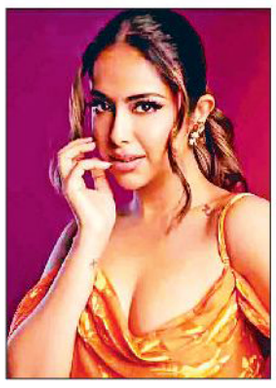

इस बात पर चुप्पी तोड़ी है। टेलीविजन शो के चर्चित धारावाहिक 'बालिका वधू' की अभिनेत्री अविका गौर अपने शानदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। 'नागिन 7' में अभिनय को लेकर एक्ट्रेस की काफी चर्चा हो रही है। इस बारे में अविका ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर किया है, जिसमें उन्होंने मजाकिया अंदाज में सवाल किया कि वह नागिन सीरियल के सातवें सीजन में आने वाली हैं। क्या यह सही है? तो इसकी जानकारी उन्हें क्यों नहीं है। हाल ही में निर्माता एकता कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने 'नागिन' के सातवें सीजन को लेकर घोषणा की थी। साथ ही कहा था कि वह इस सीरियल को बनाने का प्रयास कर रही हैं। इस वीडियो में एकता ने 'नागिन' के अपकमिंग सीजन की थीम के बारे में बताते हुए कहा कि सर्व, सुपर श्रेष्ठ, परम श्रेष्ठ, अनादि, सुपर अनादि, नागिन। 'नागिन' का छठवां सीजन साल 2022 में आया था, जिसका प्रसारण जुलाई 2023 में बंद हो गया था।

रिजेक्ट किया सेलिब्रिटी मास्टरशेफ

नई दिल्ली। सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में अपनी कॉमेडी से दर्शकों को हंसाने वाली मुनमुन दत्ता को कुकिंग से भी लगाव रहा है। यही

कारण रहा कि उन्हें भी सेलिब्रिटी मास्टरशेफ ऑफर हुआ था। लेकिन मुनमुन ने इस शो को रिजेक्ट कर दिया। शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' से जुड़े एक सोर्स का कहना है कि मुनमुन दत्ता को भी शो ऑफर हुआ था। वह एक अच्छी कुक हैं, साथ ही काफी पॉपुलर भी हैं। ऐसे में शो ' सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' के लिए परफेक्ट थीं। लेकिन, उनके अपने शो कॉमेडी शो को लेकर कुछ कमिटमेंट्स थे, जिसके कारण उन्हें कुकिंग रियालिटी शो को ना कहना पड़ा। इन दिनों 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में तेजस्वी, गौरव खन्ना, निक्की तंबोली जैसे टीवी सेलिब्रिटी नजर आ रहे हैं। सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' का हिस्सा मुनमुन दत्ता काफी लंबे समय से हैं। वह इसमें बबीताजी नाम का किरदार निभाती हैं, जिसका पति एक साइटिस्ट है। शो में कॉमेडी के साथ समय-समय पर सोशल मैसेज भी दिए जाते हैं। इस शो की वजह से मुनमुन को काफी पॉपुलैरिटी मिली है। मुनमुन ने सीरियल्स के अलावा फिल्मों में भी काम किया है। वह मुंबई एक्सप्रेस और हॉली डे जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं।

'बागी 4' का नया पोस्टर रिलीज

खून से लथपथ दिखे टाइगर

नई दिल्ली। अभिनेता टाइगर श्रॉफ की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बागी 4' का नया पोस्टर रविवार को रिलीज किया गया। जिसमें टाइगर थ्रिलर लुक में नजर आ रहे हैं और उनके चेहरे से खून निकलता दिखाई दे रहा है। फिल्म के नए पोस्टर को नाडियाडवाल ने अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किया है। टाइगर श्रॉफ ने फिल्म के नए पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसके कैप्शन में लिखा कि जिस फ्रैंचाइजी ने उन्हें पहचान दी और उन्होंने ही उनको एक एक्शन हीरो के तौर पर साबित करने का मौका दिया। अब वही उनकी पहचान बदलकर दर्शकों के सामने नए अंदाज में लेकर आ रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि उम्मीद है आठ साल पहले जैसे दर्शकों ने प्यार दिया था, वैसे इस फिल्म को भी स्वीकार करेंगे। 'बागी 4' लोकप्रिय बागी फ्रेंचाइजी का चौथा भाग है, जो ए. हर्षा

द्वारा निर्देशित किया गया है। इसमें संजय दत्त खलनायक और सोनम बाजवा मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आने वाले हैं। रोमांचक पोस्टर और नए लुक के कारण फिल्म काफी चर्चा में है।

कुमार सानू से लेकर उदित नारायण तक इन गायकों को संगीत से किया मशहूर, यादगार हैं सारे गाने...

नई दिल्ली। बॉलीवुड के बेहतरीन संगीतकार आनंदजी वीरजी शाह ने रविवार को अपना 92वां जन्मदिन मनाया उन्होंने अपने कॅरियर में 'पल पल दिल के पास', 'नीले नीले अंबर पर', 'बेखुदी में सनम' और 'क्या खूब लगती हो' जैसे बेहतरीन गाने दिए हैं। बॉलीवुड इंडस्ट्री में आनंदजी एक कामयाब संगीतकार रहे हैं। इनके गाने आज भी लोगों को खूब भाते हैं। इन्होंने अपने भाई कल्याणजी के साथ मिलकर दो सौ से ज्यादा फिल्मों के गानों को संगीत दिया है।

उधारी चुकाने के बदले सीख लिया संगीतः आनंदजी का संगीत से पुश्तैनी ताल्लुक था। उनके दादा और परदादा गुजरात के मशहूर लोक संगीतकार थे। एक खबर के मुताबिक एक संगीत शिक्षक वीरजी के पैसे नहीं चुका पा रहा था। इसके बदले उसने दोनों भाइयों आनंदजी-कल्याणजी को फ्री में संगीत की शिक्षा दी। बड़े होकर दोनों भाइयों ने 'कल्याणजी वीरजी एंड पार्टी' के नाम से ऑर्केस्ट्रा ग्रुप बनाया। ये ग्रुप देश के कई हिस्सों में संगीत शो का आयोजन करता था।

इन फिल्मों को दिया संगीत

आनंदजी-कल्याणजी की जोड़ी ने जिन फिल्मों को संगीत दिया उनमें दूल्हा-दुल्हन, जब-जब फूल खिले , मदारी, छलिया, हिमालय की गोद में, हसीना मान जाएगी, उपकार, सफर, कोरा कागज, डॉन, पूरब और पश्चिम , जॉनी मेरा नाम, महल, 'मुकद्दर का सिकंदर और कुर्बानी शामिल हैं।

250 फिल्मों के गानों को दिया संगीत

आनंदजी वीरजी ने अपने भाई कल्याणजी के साथ मिलकर 250 फिल्मों के गानों को संगीत दिया। इन फिल्मों में से 17 फिल्में गोल्डन जुबली थीं और 39 फिल्में सिल्वर जुबली थीं। इन दोनों की जोड़ी के बारे में कहा जाता है कि इन्होंने कई लोगों को मशहूर बनाया है। इनकी बदौलत ही गायक अल्का याग्निक, कुमार सानू, उदित नारायण और सुनिधि चौहान बड़े गायक बन सके।

भाई के साथ मिलकर हासिल की कामयाबी : *आनंदजी वीरजी शाह की पैदाइश 2 मार्च 1933 को हुई थी। उनके पिता वीरजी शाह कमाने के लिए मुंबई गए और वहां उन्होंने किराना का कारोबार किया। यह हैरत की बात है कि आनंदजी अपने भाई कल्याणजी के साथ कल्याणजी-आनंदजी की जोड़ी बनाई थी। दोनों ने मिलकर बेहतरीन गानों को संगीत दिया और दुनिया को इन पर झूमने के लिए मजबूर किया।*

पिछले साल भारत की तरफ से डॉक्यूमेंट्री 'टू किल ए टाइगर' हुई थी नॉमिनेट

मदर इंडिया से लेकर आरआरआर तक ऑस्कर के लिए भेजी गईं ये फिल्में

नई दिल्ली। *किसी भी फिल्म को ऑस्कर मिलना बड़ी बात होती है। हर निर्देशक चाहता है कि उसकी फिल्म को ऑस्कर मिले, लेकिन कई बार नॉमिनेट होने के बावजूद फिल्म को ऑस्कर अवार्ड नहीं मिल पाता है। इस बार ऑस्कर का 97वां साल है। इस साल ऑस्कर का कार्यक्रम 3 मार्च को आयोजित हो रहा है। इस बार भारत से एक फिल्म ऑस्कर के लिए नामांकित हुई है। पिछले साल कोई भी भारतीय फिल्म ऑस्कर नहीं जीत सकी थी। पिछले साल भारत की तरफ से एक डॉक्यूमेंट्री फीचर फिल्म 'टू किल ए टाइगर' नॉमिनेट हुई थी, लेकिन उसे अवॉर्ड नहीं मिल सका था।*

भारत की तरफ से ऑस्कर के लिए भेजी गई पहली फिल्म

ऑस्कर अवॉर्ड जिसे अकादमी अवॉर्ड भी कहते हैं। इसे साल 1927 में शुरू किया गया। लेकिन, पहला अवॉर्ड 1929 में हुआ। 97 सालों के इतिहास में भारत की तरफ से 50 से ज्यादा फिल्में ऑस्कर अवॉर्ड के लिए भेजी गईं, लेकिन एक भी भारतीय फिल्म को ये अवॉर्ड नहीं मिल सका। भारत की

संस्था फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया (एफएफआई) की तरफ से ऑस्कर में पहली फिल्म 'मदर इंडिया' भेजी गई थी, लेकिन इसे भी ये अवॉर्ड नहीं मिल सका था।

भारतीय फिल्म को नहीं मिला ऑस्कर अवॉर्ड

माना जाता है कि भारत की फिल्म 'गांधी' और 'स्लमडॉग मिलियनेयर' को ऑस्कर अवॉर्ड मिला। लेकिन, यह भारतीय फिल्में नहीं थीं। ये फिल्में भारत में शूट हुई थीं, लेकिन इनके निर्देशक विदेशी थे। 'स्लमडॉग मिलियनेयर' के डायरेक्टर डैनी बॉयल थे। गांधी फिल्म के निर्देशक रिचर्ड एटनबरो थे। भारत की तरफ से भेजी गईं फिल्में 'मदर इंडिया', 'सलाम बॉम्बे' और 'लगान' ही ऐसी फिल्में हैं, जो ऑस्कर के फाइनल नॉमिनेशन तक पहुंच पाईं ,लेकिन इन फिल्मों को भी ऑस्कर अवॉर्ड नहीं मिल सका।

8 भारतीय कलाकारों को मिला ऑस्कर अवॉर्ड

भारत की तरफ से 13 कलाकार ऐसे रहे हैं, जिन्हें अब तक ऑस्कर में नॉमिनेशन मिला। इनमें से 8 भारतीय कलाकार ऐसे हैं, जिन्हें ऑस्कर अवॉर्ड्स मिला है।

भारत से कैसे चुनी जाती हैं फिल्में?

भारत की संस्था फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया (एफएफआई) किसी भी फिल्म को ऑस्कर में भेजने के लिए सभी फिल्म एसोसिएशंस से एंट्री मंगवाती है। इसके बाद इन सभी फिल्मों को इस संस्था के सदस्य देखते हैं। फिर सितंबर में एफएफआई सितंबर में बताता है कि कौन सी फिल्म ऑस्कर में भेजी जाएगी। अपनी फिल्म को ऑस्कर में भेजने का दूसरा तरीका ये है कि कोई भी निर्देशक अपनी फिल्म अकेडमी को सीधे भेज सकता है। इसमें सरकार का कोई दखल नहीं होता है।

विदर्भ तीसरी बार बना रणजी ट्रॉफी चैंपियन, खिताबी मुकाबला रहा ड्रॉ

एजेंसी ▶▶ नागपुर

विदर्भ ने रविवार को अपने घरेलू मैदान पर खेले गए फाइनल के पांचवें और अंतिम दिन केरल को पहली पारी की बढ़त के आधार पर हराकर तीसरा रणजी ट्रॉफी खिताब जीत लिया। विदर्भ ने पहली पारी में 379 रन बनाए थे। केरल ने इसके जवाब में 342 रन बनाए। विदर्भ को पहली पारी के आधार पर 37 रन की बढ़त मिली। विदर्भ ने मैच के पांचवे दिन तक दूसरी पारी में 9 विकेट के नुकसान पर 375 रन बनाए और केरल को खेलने के लिए बुलाए बिना ही मैच ड्रॉ करने का ऐलान किया गया। विदर्भ ने तीसरी बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता है। इससे पहले 2017-18 और 2018-19 सत्र में लगातार दो खिताब जीते थे।

विदर्भ सर्वश्रेष्ठ टीम

अक्षय वाडकर की कप्तानी और मुख्य कोच उस्मान गनी की अगुआई वाली टीम ने पूरे रणजी ट्रॉफी सत्र में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। विदर्भ लीग चरण में सभी चार ग्रुप में सर्वश्रेष्ठ टीम रही, जिसने सात मैच में से छह जीत के साथ 40 अंक हासिल किए।

दानिश प्लेयर ऑफ द मैच

विदर्भ ने रविवार सुबह 249/4 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम ने 126 रन जोड़े और 5 विकेट गंवा दिए। दानिश मालेवार को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने विदर्भ के लिए पहली पारी में 153 और दूसरी में 73 रन बनाए। टीम के लिए दूसरी पारी में करुण नायर ने 135 रन बनाए। दर्शन नालकांडे ने नाबाद 51 रन की पारी खेली।

10 मैच में से 9 मैच जीते

विदर्भ ने इस सत्र में रणजी ट्रॉफी में खेले गए 10 मैच में से नौ में जीत हासिल की जो भारत की प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता में टीम के प्रभुत्व को दर्शाता है।

पहली पारी में बढ़त के आधार पर विदर्भ ने जीता खिताब

दानिश मालेवार 226 रन बनाकर बने प्लेयर ऑफ द मैच

जीत के हीरो

हर्ष दुबे : 69 विकेट, 476 रन

22 वर्षीय बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे ने रणजी ट्रॉफी के एक सत्र में 69 खिलाड़ियों को आउट करके सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया जो बिहार के आशुतोष अमन के 68 विकेट के पिछले रिकॉर्ड से बेहतर रहा। दुबे ने 10 मैच में पांच अर्द्धशतकों के साथ 476 रन भी बनाए।

यश राठौड़ : 5 शतक, 960 रन

बाएं हाथ के बल्लेबाज यश राठौड़ ने 10 मैचों में पांच शतकों और तीन अर्द्धशतकों की मदद से 53.33 के औसत से 960 रन बनाकर बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया।

करुण नायर : 5 शतक, 863 रन

नायर ने सिर्फ विजय हजारे ट्रॉफी में पांच शतकों के साथ ही टीम का नेतृत्व नहीं किया बल्कि रणजी ट्रॉफी में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी रहे, उन्होंने नौ मैच में 53.93 के औसत से चार शतकों और दो अर्द्धशतकों की मदद से 863 रन बनाए।

दानिश मालेवार : 783 रन

21 वर्षीय दानिश मालेवार दो शतकों और छह अर्द्धशतकों की मदद से 52.20 के औसत से 783 रन बनाकर पांचवें स्थान पर रहे, उन्होंने फाइनल में 153 और 73 रन बनाए।

अक्षय वाडकर 722 रन

कप्तान अक्षय वाडकर भी पीछे नहीं रहे, वह 10 मैच में 45.12 के औसत से दो शतक और इतने ही अर्धशतकों के साथ 722 रन बनाकर सातवें स्थान पर रहे।

खबर संक्षेप

रित्विक चिली ओपन युगल चैंपियन

नई दिल्ली। भारत के रित्विक चौधरी बोल्लिपल्ली ने कोलंबिया के निकोलस बारियेंतोस के साथ मिलकर शीर्ष वरीयता प्राप्त अर्जेंटीना के आंद्रेस मोल्तेनी और मैक्सिमो गोंजालेस को सीधे सेटों में हराकर सैंटियागो में चिली ओपन टेनिस टूर्नामेंट जीता। रित्विक और निकोलस की गैर वरीय जोड़ी ने गोंजालेस और मोल्तेनी को एक घंटा चले फाइनल मुकाबले में 6-3, 6-2 से हराया। उन्होंने मैच में 11 ऐस लगाए जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी एक ही लगा सके।

दिल्ली एफसी ने 10 मैच के बाद चखा जीत का स्वाद

माहिलपुर। दिल्ली एफसी ने रविवार को यहां आई-लीग में डेम्पो

स्पोर्ट्स क्लब को 2-1 से हराकर 10 मैचों में अपनी पहली जीत दर्ज की। मैच के सभी गोल पहले हाफ में हुए। दिल्ली की टीम के लिए समीर बिनॉन्गा (चौथे मिनट) और विक्टर कामहुका (20वें मिनट) ने गोल किए जबकि मार्कस जोसेफ (35वें मिनट) ने डेम्पो के लिए गोल किया। इस जीत के बावजूद दिल्ली तालिका में सबसे नीचे (17 मैचों में 13 अंक) है। दिल्ली एफसी ने बीते साल 19 दिसंबर को शिलांग लाजोंग एफसी के खिलाफ अपना पिछला मैच जीता था। इसके बाद टीम ने 10 मैच खेले और सिर्फ दो ड्रॉ करने में सफल रहा।

कोचिन क्वींस ओवरआल नौकायन लीग चैंपियन

हैदराबाद। कोचिन क्वींस ने पहली अस्मिता नौकायन लीग में ओवरआल चैंपियन का खिताब जीत लिया है। केरल की टीम ने छह स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीता। मेजबान हैदराबाद क्वींस चार स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर दूसरे स्थान पर रही। अंडर 19 और अंडर 23 वर्ग में 20 स्पर्धाओं में आठ टीमें खिताब की दौड़ में थी। कोचिन क्वींस ने अंडर 23 वर्ग में पांच में से चार स्पर्धाएं जीती। वहीं हैदराबाद क्वींस ने अंडर 19 खिताब और पांच में से तीन स्पर्धाएं जीतीं। यह देश की पहली नौकायन लीग थी जिसमें टीमों के नाम शहरों के नाम पर थे।

सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया की चुनौती, न्यूजीलैंड साउथ अफ्रीका से खेलेगी

चक्रवर्ती की शानदार गेंदबाजी से भारत ने न्यूजीलैंड को 44 रन से दी मात

भाषा ▶▶ दुबई

केन विलियमसन ने 81 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली लेकिन वरुण चक्रवर्ती (42 रन पर पांच विकेट) की फिरकी के जादू से भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के मैच में न्यूजीलैंड को रविवार को यहां 44 रन से हराकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत और न्यूजीलैंड की टीमें पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी थी लेकिन भारत की इस जीत से सेमीफाइनल का कार्यक्रम तय हो गया। भारत के सामने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया जबकि न्यूजीलैंड के सामने बुधवार को दक्षिण अफ्रीका की चुनौती होगी। भारत ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर श्रेयस अय्यर (79) की अर्धशतकीय पारी की मदद से नौ विकेट पर 249 रन बनाने के बाद न्यूजीलैंड को 45.3 ओवर में 205 रन पर आउट कर दिया। न्यूजीलैंड के लिए विलियमसन ने 120 गेंद में 81 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली लेकिन दूसरे छोर से उन्हें तेजी से रन बनाने वाले बल्लेबाज का साथ नहीं मिला। चक्रवर्ती की फिरकी का न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। वह चैंपियंस ट्रॉफी में रविंद्र जडेजा (2013) और मोहम्मद शमी (2025) के बाद पांच विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज है। कुलदीप यादव को दो सफलता मिली जबकि हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल ने एक-एक विकेट चटकाये। इससे पहले मैट हेनरी ने आठ ओवर में 42 रन देकर पांच विकेट लिये। उन्हें टीम के दूसरे गेंदबाजों अच्छा साथ मिला। न्यूजीलैंड के लिए काइल जैमीसन, विलियम ओ'राउरकी, कप्तान मिचेल और रचिन ने एक-एक विकेट लिये। न्यूजीलैंड के क्षेत्ररक्षकों ने कुछ कमाल के कैच पकड़ने के साथ अहम रन बचाये। भारत ने शुरुआती सात ओवर में 30 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे लेकिन अय्यर ने 98 गेंद की पारी में चार चौके और दो छक्के की मदद से 79 रन की संयमित पारी खेलने के अलावा अक्षर (42) के साथ चौथे विकेट के लिए 136 गेंद में 98 रन की साझेदारी कर टीम को खराब शुरुआत से उबारा।

वरुण 5 विकेट लेकर बने मैन ऑफ द मैच

वनडे: कोहली 300 मैच खेलने वाले दुनिया के 22वें क्रिकेटर

दुबई। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबले में उतरते ही एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। यह कोहली के वनडे करियर का 300वां मुकाबला है। इसी के साथ वह पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों के क्लब में शामिल हो गए हैं जिन्होंने अपने कॅरियर में इतने वनडे मैच खेले हैं। कोहली से पहले 21 खिलाड़ियों ने वनडे में 300 से ज्यादा मुकाबले खेले हैं। कोहली से पहले भारत के छह खिलाड़ियों ने 300 या इससे ज्यादा वनडे मैच खेले हैं। इनमें शीर्ष पर क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले पूर्व भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का नाम दर्ज हैं। उन्होंने 463 मैचों में 18426 रन बनाए हैं।

300 वनडे खेलने वाले भारतीय

खिलाड़ी	मैच	रन
सचिन तेंदुलकर	463	18426
महेंद्र सिंह धोनी	347	10599
राहुल द्रविड़	340	10768
मो. अजहरुद्दीन	334	9378
सौरव गांगुली	308	11221
युवराज सिंह	301	8609
विराट कोहली	300*	14085

भारत- 249/9(50)

खिलाड़ी	रन
रोहित शर्मा का यंग बो जैमीसन	15
शुभमन गिल पगबाधा हेनरी	02
कोहली का फिलिप्स बो हेनरी	11
श्रेयस का यंग बो ओ'राउरकी	79
अक्षर का विलियमसन बो रविंद्र	42
राहुल का लाथम बो सेंटनर	23
हार्दिक का रविंद्र बो हेनरी	45
जडेजा का विलियमसन बो हेनरी	16
शमी का फिलिप्स बो हेनरी	05
कुलदीप यादव नाबाद	01
अतिरिक्तः 10	
कुल योगः 50 ओवर में नौ विकेट पर: 249 रन	
विकेट पतनः 1-15, 2-22, 3-30, 4-128, 5-172, 6-182, 7-223, 8-246, 9-249	
गेंदबाजीः हेनरी 8-0-42-5, जैमीसन 8-0-31-1, ओ'राउरकी 9-0-47-1, सेंटनर 10-1-41-1, ब्रेसवेल 9-0-56-0, रविंद्र 6-0-31-1	

न्यूजीलैंड-205/10 (45.3)

खिलाड़ी	रन
विल यंग बो चक्रवर्ती	22
रचिन रविंद्र का अक्षर बो पंड्या	06
विलियमसन स्टं. राहुल बो अक्षर	81
डेरिल मिचेल पगबाधा कुलदीप	17
टॉम लाथम पगबाधा जडेजा	14
ग्लेन फिलिप्स पगबाधा चक्रवर्ती	12
ब्रेसवेल पगबाधा चक्रवर्ती	02
मिचेल सेंटनर बो चक्रवर्ती	28
मैट हेनर का कोहली बो चक्रवर्ती	02
काइल जैमीसन नाबाद	09
विल ओ' राउरकी बो कुलदीप	01
अतिरिक्तः 11	
कुल योगः 45.3 ओवर में सभी आउटः 205 रन	
विकेट पतनः 1-17, 2-49, 3-93, 4-133, 5-151, 6-159 , 7-169 , 8-195 , 9-19	
गेंदबाजीः शमी 4-0-15-0, पंड्या 4-0-22-1, अक्षर 10-0-32-1, चक्रवर्ती 10-0-42-5, कुलदीप 9.3-0-56-2, जडेजा 8-0-36-1	

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने स्पिन गेंदों का किया अभ्यास

दुबई। ऑस्ट्रेलिया ने रविवार दोपहर आईसीसी अकादमी में तीन घंटे का गहन अभ्यास सत्र आयोजित किया जिसमें उनका पूरा ध्यान स्पिन के खिलाफ अभ्यास पर लगा था। स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों ने जहां हल्का अभ्यास किया, वहीं युवा खिलाड़ियों ने पूरी ताकत लगाई। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने आईसीसी अकादमी के सात नेट गेंदबाजों को चुना जिसमें सभी स्पिनर थे। इनमें बाएं हाथ के धीमी गति के गेंदबाज हर्षित सेठ के अलावा दो बाएं हाथ के चाइनामैन गेंदबाज, इतने ही ऑफ स्पिनर और एक लेग स्पिनर शामिल था। ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका के बाद दूसरे स्थान पर रहा और दोनों टीमें यूएई में मौजूद हैं।

युकी ने दुबई में जीता पहला एटीपी 500 युगल खिताब

एजेंसी ▶▶ दुबई

भारत के युकी भांबरी ने पहला एटीपी 500 पुरुष युगल खिताब जीत लिया जब उन्होंने आस्ट्रेलियाई जोड़ीदार एलेक्सेइ पोपिरिन के साथ दुनिया की 14वें नंबर की जोड़ी फिनलैंड के हारी हेलियोवारा और ब्रिटेन के हेनरी पाटेन को दुबई टेनिस चैंपियनशिप में हराया। पहला सेट हारने के बाद दोनों ने शानदार वापसी करते हुए शनिवार को 51 मिनट तक चला मुकाबला 3-6, 7-6, 10-8 से जीता। इस जीत के साथ भांबरी सोमवार को एटीपी रैंकिंग में कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ 40वीं रैंकिंग हासिल कर लेंगे।

भांबरी और पोपिरिन ने खिताबी सफर में दुनिया की नंबर एक जोड़ी अल सल्वाडोर के मार्शेलो अरेवालो और क्रोएशिया के मेट पेविच को 4-6, 7-6, 10-3 से मात दी।

प्राग मास्टर्स : प्रज्ञानानंदा संयुक्त रूप से शीर्ष पर

एजेंसी ▶▶ प्राग

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए जर्मनी के विंसेंट केमेर को हराया और अब प्राग मास्टर्स शतरंज के चौथे दौर के बाद वह तीन अंक लेकर अरविंद चिदंबरम के साथ शीर्ष पर हैं। अरविंद ने अमेरिका के सैम शांकलैंड के साथ ड्रॉ खेला जबकि शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के वेइ यि ने स्थानीय खिलाड़ी डेविड नवारा को हराया।

नीदरलैंड के अनीश गिरि ने लगातार चौथा ड्रॉ खेला। उनकी बाजी तुर्किए के गुरेल एडिज के साथ बराबरी पर रही। चेक गणराज्य के ग्रैंडमास्टर एंगुयेन थाइ देइ वान ने वियतनाम के कुआंग लेइम ली से ड्रॉ खेला। शांकलैंड, केमेर, गिरि और ली संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। प्रज्ञानानंदा का सामना अगले दौर में अरविंद से होगा जिसमें वह सफेद मोहरों से खेलेंगे। चैलेंजर वर्ग में दिव्या देशमुख ने चीन की मा कुन से ड्रॉ खेला और अब चार मुकाबलों के बाद उनके डेढ़ अंक हैं।

2036 खेलों को लेकर कई अन्य देश भी दौड़ में शामिल

ओलंपिक मेजबानी के लिए भारत का दावा 'मजबूत'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष पद के दावेदार सेबेस्टियन को का मानना है कि 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत का दावा 'मजबूत' है लेकिन कई अन्य देशों के इस दौड़ में शामिल होने से प्रतिस्पर्धा कठिन होगी।

भारत ने आईओसी के भावी मेजबान आयोग को 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी के लिए पहले ही आशय पत्र सौंप दिया है जो वैश्विक खेल की शीर्ष संस्था के साथ महीनों की अनौपचारिक बातचीत के बाद एक महत्वाकांक्षी योजना में पहला ठोस कदम है। को ने साक्षात्कार में कहा, 'मेरी पृष्ठभूमि को देखते हुए मेरे यह कहने से आपको हैरानी नहीं होगी कि मैं बहुत खुश हूं कि भारत वैश्विक खेल और विशेष रूप से ओलंपिक आंदोलन के लिए प्रतिबद्ध है। मुझे यह सुनकर बहुत खुशी हुई। पर यह बहुत प्रतिस्पर्धी होगा। क्योंकि इसमें सिर्फ एक ही बोलीदाता नहीं होगा, लेकिन भारत इसे बहुत मजबूत दावा बना सकता है।' पोलैंड, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, कतर, हंगरी, तुर्कीए, मैक्सिको और मिस्र उन अन्य देशों में शामिल हैं जिन्होंने 2036 ओलंपिक की मेजबानी की इच्छा व्यक्त की है। 2036 खेलों के मेजबान देश का 2026 से पहले पता नहीं चलेगा। लेकिन यह निश्चित है कि नए आईओसी प्रमुख के 20 मार्च के चुनाव के विजेता की अध्यक्षता के दौरान मेजबान का चयन किया जाएगा। आईओसी अध्यक्ष के रूप में चुनाव लड़ने वाले सात उम्मीदवारों में उन्हें सबसे आगे माना जा रहा है। 68 वर्षीय को दो बार ओलंपिक 1500 मीटर के स्वर्ण पदक विजेता हैं।

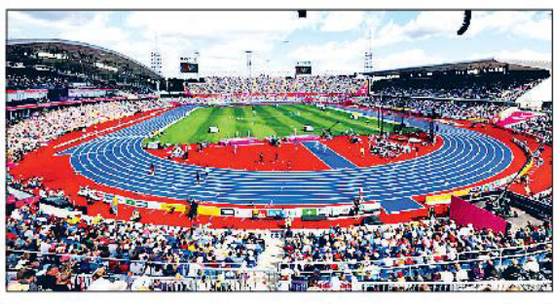

खत्म नहीं करें महत्वाकांक्षा

भारत को सलाह देते हुए कहा कि अगर उसे 2036 ओलंपिक की मेजबानी का अधिकार नहीं मिलता है तो उसे ओलंपिक आयोजित करने की अपनी महत्वाकांक्षा को खत्म नहीं करना चाहिए। को ने कहा, 'बहुत से शहरों ने बोली लगाई और लेकिन उनकी बोली स्वीकार नहीं हुई। दिलचस्प बात यह है कि जब लंदन ने 2005 में (2012 चरण के लिए) बोली हासिल की थी, तो उसने पेरिस को हराया था। हम सभी अभी पेरिस ओलंपिक खेलों (2024) में गए थे। रियो उन शहरों में से एक था जो 2012 की बोली के लिए शुरुआती मूल्यांकन से आगे नहीं बढ़ पाया था। और ब्रिटेन के तुरंत बाद उनके पास 2016 में बोली थी। इसलिए यह किसी भी तरह से कहानी का अंत नहीं है। और बोली लगाने से मिली विरासत भी एक बहुत मजबूत विरासत है।'

थिंक टैंक जीटीआरआई ने कहा-भारत के टैरिफ डब्ल्यूटीओ के अनुरूप, सरकार को ये बात अमेरिका को बतानी चाहिए

तब विकसित राष्ट्र विकासशील देशों को उच्च टैरिफ देने पर सहमत हुए थे

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव का कहना है कि भारत द्वारा जो टैरिफ लगाए जाते हैं, वे डब्ल्यूटीओ के ही अनुरूप हैं। इन्हें साल 1995 में अमेरिका सहित सभी देशों ने मंजूर किया था।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आर्थिक थिंक टैंक जीटीआरआई ने रविवार को कहा कि भारत के आयात शुल्क वैश्विक व्यापार नियमों के अनुरूप हैं और सरकार को अमेरिकी प्रशासन को यह बताना चाहिए। इसने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत करना कई चुनौतियों को प्रस्तुत करता है। जीटीआरआई ने ये भी कहा है कि अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत करना भारत के लिए कई चुनौतियां ला सकता है।

साल 1995 में जब डब्ल्यूटीओ की स्थापना हुई थी

ट्रंप लगा चुके हैं ज्यादा टैरिफ का आरोप

थिंक टैंक ने कहा कि मुक्त व्यापार समझौते में अमेरिका भारत पर, अमेरिकी फर्मों के लिए सरकारी खरीद खोलने, कृषि सब्सिडी कम करने, पेटेंट सुरक्षा को कमजोर करने और डाटा प्रवाह पर प्रतिबंध हटाने के लिए दबाव डाल सकता है। भारत दशकों से इन मांगों का विरोध करता रहा है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई बार भारत पर उच्च टैरिफ वसूलने का आरोप लगाया है और वे भारत को टैरिफ का दुरुपयोग करने वाला देश भी कह चुके हैं। बता दें कि टैरिफ एक आयात शुल्क है, जो सरकार द्वारा विदेशी सामान पर लगाया जाता है।

डब्लूटीओ नियमों को अनदेखा कर रहे हैं ट्रंप

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव के संस्थापक अजय श्रीवास्तव का कहना है कि भारत द्वारा जो टैरिफ लगाए जाते हैं, वे डब्ल्यूटीओ के ही अनुरूप हैं। इन्हें साल 1995 में अमेरिका सहित सभी देशों ने मंजूर किया था। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ को लेकर जो आरोप लगाए जा रहे हैं, उन्हें लेकर भारत को अमेरिका के सामने अपना पक्ष स्पष्ट करने की जरूरत है। 166 सदस्यों वाला डब्लूटीओ फोरम एकमात्र अंतरराष्ट्रीय निकाय है जो सदस्यों देशों के बीच व्यापार के नियम तय करता है। साल 1995 में जब डब्ल्यूटीओ की स्थापना हुई थी, तब विकसित राष्ट्र, विकासशील देशों को उच्च टैरिफ देने पर सहमत हुए थे। उन्होंने कहा कि भारत के उच्च टैरिफ के बारे में बात करते समय ट्रंप, डब्ल्यूटीओ के नियमों को आसानी से भूल जाते हैं। जीटीआरआई ने कहा कि अमेरिका द्वारा उच्च शुल्क लगाने की धमकी से निपटने के लिए भारत के पास सबसे अच्छे विकल्प हैं कि अमेरिका को अधिकांश औद्योगिक वस्तुओं पर शून्य टैरिफ की पेशकश करना या फिर बिना किसी प्रतिशोध के नए अमेरिकी टैरिफ को स्वीकार करना।

खबर संक्षेप

आज अमेरिका के लिए रवाना होंगे पीयूष गोयल

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की वॉशिंगटन यात्रा सोमवार से शुरू होगी। एक अधिकारी ने कहा कि भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत करने की योजना बना रहे हैं, और गोयल की यात्रा इसी सिलसिले में होगी। अधिकारी ने कहा कि यह यात्रा तीन मार्च से शुरू होगी और मंत्री शुक्रवार तक अमेरिका में रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल की वाशिंगटन यात्रा के दौरान, भारत और अमेरिका ने 2030 तक आपसी व्यापार को दोगुना से अधिक कर 500 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने की बात कही थी।

5वीं बार फोर्ब्स की लिस्ट में कमाऊ एक्टर बने जॉनसन

न्यूयॉर्क। फोर्ब्स ने हाल ही में दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले मशहूर हस्तियों की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में 'द रॉक' ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। रेसलर से अभिनेता बने ड्वेन जॉनसन अक्सर अलग-अलग वजहों से सुर्खियों में रहते हैं। अब यह उपलब्धि हासिल करके वह एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। यह पहली बार नहीं है कि ड्वेन जॉनसन इस सूची में शामिल हो रहे हैं। अभिनेता पांचवीं बार इस सूची में शामिल हो रहे हैं। अभिनेता ने पहली बार 2016 में 64.5 मिलियन डॉलर की कमाई के साथ इस सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया था।

यूरोपीय सुरक्षा शिखर सम्मेलन की बैठक हुई आयोजित

दुनिया के 16 देश एक सुर में बोले- यूक्रेन युद्ध विराम समझौते पर मिलकर करेंगे काम

ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन एक युद्धविराम योजना पर काम करने के लिए सहमत

लोन का इस्तेमाल यूक्रेन के जरूरी हथियार खरीदे जाएंगे

एजेंसी ▶▶ लंदन

व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के बीच हुई तीखी नोंक झोंक के बाद पूरी दुनिया में हलचल मच गई। इस मामले को लेकर यूरोपिय देश एकजुट हुए और शिखर सम्मेलन में इस मुद्दे पर चर्चा की गई। मौजूद सभी देशों ने मिलकर एक सुर में कहा कि शांति स्थापित होना बहुत जरूरी है। इसके लिए हम सब मिलकर प्रयास करेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप से चर्चा करके कोई बेहतर रास्ता निकालेंगे। बता दें कि बहस के बाद जेलेंस्की सीधे लंदन गए थे जहां उनका जमकर स्वागत हुआ और आर्थिक मदद का भी भरोसा दिलाया गया। उन्होंने लंदन में यूरोपीय सुरक्षा शिखर सम्मेलन में भी हिस्सा लिया।

इस सम्मेलन में नाटो के अधिकतर देश शामिल हुए, जिसमें कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भी थे। इस दौरान यूक्रेन युद्ध विराम समझौते पर काम करने पर सहमति भी बनी। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 'ओवल ऑफिस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का कार्यालय) में हुई तीखी बहस के एक दिन बाद यह योजना सामने आई है। ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन एक युद्धविराम योजना पर काम करने के लिए सहमत हो गए हैं, जिसे अमेरिका के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टॉर्मर ने यह जानकारी दी। स्टार्मर ने युद्ध समाप्त करने पर चर्चा के लिए यूरोपीय नेताओं के साथ रविवार को आयोजित शिखर सम्मेलन से पहले यह बात कही। स्टॉर्मर ने कहा कि यह योजना चार देशों के नेताओं के बीच बातचीत के बाद सामने आई है।

जेलेंस्की ने भी दिया धन्यवाद

स्टार्मर ने युद्धग्रस्त देश के नेता से कहा, और जैसा कि आपने बाहर सड़क पर नारों के जरिए सुना, आपको पूरे ब्रिटेन में समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा, हम आपके साथ, यूक्रेन के साथ खड़े हैं, भले ही इसमें (युद्ध में) कितना भी समय लगे। जेलेंस्की ने उन्हें और ब्रिटेन के लोगों को उनके समर्थन एवं दोस्ती के लिए धन्यवाद दिया।

ब्रिटेन-फ्रांस बनाएंगे युद्धविराम योजना

स्टॉर्मर ने कहा कि उनका ध्यान शांति वार्ता बहाल करने के लिए सेतु बनने पर है। उन्होंने इसे बयानबाजी तेज करने के बजाय ट्रंप, जेलेंस्की और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ फिर से जुड़ने के अवसर के रूप में इस्तेमाल किया। स्टॉर्मर ने कहा, अब हम इस बात पर सहमत हो गए हैं कि ब्रिटेन, फ्रांस और संभवत: एक या दो अन्य देशों के साथ मिलकर यूक्रेन के साथ लड़ाई रोकने की योजना पर काम करेगा।

यूक्रेन को 24 हजार करोड़ का लोन दिया

ब्रिटेन ने यूक्रेन को 24 हजार करोड़ का लोन दिया। इसके लिए शनिवार को ब्रिटिश पीएम स्टार्मर और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने समझौते पर साइन किए। रिपोर्ट के मुताबिक इस लोन को जी-7 देशों की एक्स्ट्रा-ऑर्डिनरी रेवन्यू एक्सीलरेशन पहल के तहत दिया। इस लोन का इस्तेमाल यूक्रेन के जरूरी हथियार खरीदने में किया जाएगा। पिछले साल अक्टूबर में जी-7 देशों ने यूक्रेन को 50 बिलियन डॉलर यानी 4.3 लाख करोड़ रुपए की मदद देने का वादा किया था।

ब्रिटिश पीएम बोले- पुतिन पर भरोसा नहीं

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर भरोसा नहीं है, लेकिन ट्रंप पर भरोसा है। उन्होंने कहा, क्या मुझे डोनाल्ड ट्रंप की बात पर यकीन करना चाहिए जब वे कहते हैं कि वे स्थायी शांति चाहते हैं? इसका जवाब है हां। स्टॉर्मर ने कहा कि अमेरिका से सुरक्षा गारंटी प्राप्त करने के लिए गहन चर्चा चल रही है। सम्मेलन में फ्रांस, जर्मनी, डेनमार्क, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, पोलैंड, स्पेन, कनाडा, फिनलैंड, स्वीडन, चेक गणराज्य और रोमानिया के नेता भी शामिल हो रहे हैं। तुर्किये के विदेश मंत्री, नाटो महासचिव तथा यूरोपीय आयोग और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष शामिल हुए।

दूसरी चरण की बातचीत बाकी

इजराइल ने गाजा में राहत सामग्री की आपूर्ति व मदद पर रोक लगाई

रमजान में यह निर्णय पर हो रही निंदा

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

इजराइल ने रविवार को गाजा पट्टी में सभी तरह की राहत सामग्री की आपूर्ति और मानवीय सहायता पर रोक लगाने के साथ चेतावनी दी कि यदि हमास ने संघर्ष विराम के विस्तार के लिए अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया तो उसे अतिरिक्त परिणाम भुगतने होंगे।

हमास ने इजराइल पर नाजुक संघर्ष विराम समझौते को पटरी से उतारने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सहायता बंद करने का उसका फैसला जबरन वसूली का घटिया हथकंडा, युद्ध अपराध और (संघर्ष विराम) समझौते पर हमला है।

इजराइल-हमास के बीच संघर्ष विराम का पहला चरण शनिवार को समाप्त हो गया। इसमें मानवीय सहायता में वृद्धि शामिल थी। दोनों पक्षों के बीच अभी दूसरे चरण पर बातचीत होनी बाकी है।

20 अप्रैल 25 तक संघर्ष विराम को आगे बढ़ाने के पक्ष में

सहायता रोकने के पीछे ट्रंप की सलाह

जिसमें इजराइल के अपनी सेना वापस बुलाने और स्थायी युद्ध विराम के बदले में हमास दर्जनों शेष बंधकों को रिहा करेगा। एक इजराइली अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि सहायता निलंबित करने का निर्णय ट्रंप प्रशासन के समन्वय से लिया गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का कार्यालय ने रविवार सुबह कहा कि इजराइल 'पासओवर' या 20 अप्रैल तक संघर्ष विराम को आगे बढ़ाने के पक्ष में है। इसने कहा कि यह प्रस्ताव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के पश्चिम एशिया के दूत स्टीव विटकॉफ की ओर से आया है। नेतन्याहू के कार्यालय के मुताबिक, प्रस्ताव के तहत आधे बंधकों को, चाहे वे जीवित हों या मृत, पहले दिन छोड़ा जाएगा और अगर स्थायी युद्ध विराम पर सहमति बन जाती है तो बाकी को रिहा कर दिया जाएगा।

मिस्र ने इजराइल के फैसले की निंदा की

मिस्र ने गाजा पट्टी पर पूर्ण घेराबंदी करने के इजराइल के फैसले की निंदा की है और उस पर भुखमरी को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलत्ती ने रविवार को इजराइल-हमास युद्धविराम के अगले चरण के तत्काल कार्यान्वयन का आह्वान किया। मिस्र ने हमास-इजराइल के बीच युद्धविराम के लिए प्रमुख मध्यस्थ के रूप में काम किया है।

जूते चप्पल वापस लेने के लिए 5 किमी की दूरी

अयोध्या में भक्तों के लावारिस हुए जूते-चप्पल बने बड़ी समस्या

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

अयोध्या में भक्तों की उमड़ी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए व्यवस्थागत बदलाव के चलते राम मंदिर के प्रवेश द्वार के पास करीब एक महीने से रोजाना बड़ी संख्या में लावारिस जूते-चप्पल एकत्र हो रहे हैं। नगर निगम पहले ही वहां से बड़ी संख्या में जूते-चप्पल हटा चुका है।

ये जूते-चप्पल तीर्थयात्रियों के हैं, जिन्होंने इन्हें राम पथ पर स्थित मुख्य प्रवेश द्वार गेट संख्या एक पर उतार दिया था। शुरुआत में, लगभग आधा किलोमीटर का गोलाकार मार्ग पूरा करने के बाद, तीर्थयात्री उसी

द्वार (गेट संख्या एक) से बाहर निकलते थे और अपने जूते-चप्पल लेते थे।

हालांकि, बढ़ती भीड़ के कारण, अयोध्या प्रशासन ने गेट संख्या तीन और अतिरिक्त द्वारों के माध्यम से निकास को पुनर्निर्देशित किया।

मादक पदार्थः नेपाल पुलिस ने दो भारतीयों को पकड़ा

काठमांडू। नेपाल पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में दो भारतीयों समेत तीन लोगों को रविवार को नेपालगंज से गिरफ्तार किया। नेपाल पुलिस ने बताया कि भारत के कोलकाता निवासी जियाउल हक शेष (38) और किशोर (18), नेपालगंज निवासी नफीस मोहम्मद कबाडिया को गिरफ्तार कर उनके पास से ट्रामाडोल नामक मादक पदार्थ की 5,000 गोलियां बरामद की। इसमें बताया गया कि जायसपुर पुलिस थाने से भेजी गई पुलिस की एक टीम ने भारत से नेपाल की ओर जा रही एक भारतीय नंबर प्लेट वाली मोटरसाइकिल की जांच के दौरान तीनों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

नासा ने किया ऐलान

मार्च के आखिरी सप्ताह में सुनीता की होगी वापसी

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बैरी विल्मोर को लेकर अच्छी खबर सामने आई है। सुनीता विलियम्स और बैरी विल्मोर अंतरिक्ष से जल्द ही पृथ्वी पर वापसी होने वाली है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि करते हुए कहा कि सुनीता विलियम्स और विल्मोर मार्च 2025 के आखिरी में पृथ्वी पर वापस आएंगे। नासा के दोनों अंतरिक्ष यात्री आठ महीने से ज्यादा समय से अन्तरराष्ट्रीय अन्तरिक्ष स्टेशन पर फंसे हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुनीता और बैरी विल्मोर की वापसी पहले जल्दी होने वाली थी, लेकिन मिशन के पुनर्निर्धारण और तकनीकी समस्याओं की वजह से इनमें देरी हुई है। क्रू-10 मिशन के आने से उनकी वापसी जुड़ी है।

महाकुंभ में 54 हजार से अधिक श्रद्धालु हुए गुम

हाईटेक खोया-पाया केंद्र और शिविरों ने बिछड़ों को मिलाया

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

प्रयागराज महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया। इस दौरान कुल 54,357 लोग अपने परिवारों से बिछड़ गए।

योगी सरकार द्वारा स्थापित डिजिटल खोया-पाया केंद्रों ने 35 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को उनके परिजनों से मिलाया। मकर संक्रांति पर्व पर 598, मौनी अमावस्या के दौरान 8,725 और बसंत पंचमी पर 864 लोगों को उनके परिवारों से मिलाया गया। अन्य स्नान पर्वों और सामान्य दिनों में 24,896 लोगों का पुनर्मिलन कराया गया। पुलिस ने भी देश के विभिन्न राज्यों और नेपाल से आए श्रद्धालुओं को उनके परिवारों से मिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महाकुंभ में खोए हुए लोगों की मदद के लिए योगी सरकार की यह डिजिटल पहल बेहद कारगर साबित हुई। इस तरह कुंभ के दौरान कुल 35,083 लोगों को उनके परिजनों से मिलाया गया।

महाकुंभ के आखिरी दिन 19,274 को मिलाया

इनमें सबसे पुराना भारत सेवा केंद्र एवं हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति भी शामिल हैं। भारत सेवा केंद्र के भूले भटकों के शिविर के संचालक उमेश चंद्र तिवारी के मुताबिक, महाकुंभ के समापन तक शिविर ने 19,274 बिछड़े महिला और पुरुष को अपनों से मिलाया।

लैंडर अब लगातार मानव मिशन के लिए डेटा जुटाकर देता रहेगा फीडबैक

ब्लू घोस्ट लैंडर चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरा, मानव मिशन की तैयारी

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अंतरिक्ष की दुनिया में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि जुड़ गई। अमेरिका की निजी कंपनी फायरफ्लाई एयरोस्पेस का 'ब्लू घोस्ट लैंडर रविवार को चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतर गया। मिशन का उद्देश्य भविष्य के मानव मिशनों की तैयारी के लिए चंद्रमा पर आवास, संसाधन और जलवायु अध्ययन के लिए डाटा जुटाना है। यह नासा के लिए 10.1 करोड़ डॉलर यानी लगभग 884 करोड़ रुपए की लागत से खास उपकरण लेकर गया है।

- चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाली बनी दूसरी निजी कंपनी
- चांद पर उतरने के बाद ब्लू घोस्ट ने ली पहली तस्वीर

चंद्रमा की सतह से ली तस्वीर धरती पर भेजी

चंद्रमा पर लैंड करने के बाद ब्लू घोस्ट ने चांद की सतह से ली गई अपनी पहली तस्वीर भेजी है, जो जबर्दस्त है। फायरफ्लाई एयरोस्पेस द्वारा पहली सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया कि स्नैपशॉट में ब्लू घोस्ट की सभी खूबियाँ समाहित हैं। साहसिक महत्वाकांक्षा, अजेय प्रेरणा और नवाचार की भावना।

15 जनवरी को लॉन्च हुआ था मिशन

इस मिशन को फ्लोरिडा से जनवरी के बीच में लॉन्च किया गया था। ये लैंडर नासा के लिए चंद्रमा पर 10 प्रयोग करेगाण। स्पेस एजेंसी नासा ने लैंडर की डिलीवरी के लिए 101 मिलियन डॉलर और बोर्ड पर मौजूद विज्ञान और तकनीक के लिए 44 मिलियन डॉलर का भुगतान किया है। ये नासा के वाणिज्यिक चंद्र डिलीवरी कार्यक्रम के तहत तीसरा मिशन है। इसके साथ एक जापानी कंपनी आईस्पेस पेंचबमद्ध का तीसरा लैंडर भी भेजा गया है जो मई के महीने में चंद्रमा की सतह पर लैंड करेगा।

यान में लगी ड्रिल नापेगी तापमान

चांद पर भेजे गए इस मिशन में एक खास वैक्यूम उपकरण लगाया गया था जो वहां की मिट्टी को विश्लेषण के लिए सुरक्षित रखता है इसके इस यान में एक ड्रिल भी लगाई गई थी जो चांद की सतह के 10 फीट करीब 3 मीटर नीचे तक पहुंचकर वहां का तापमान रिकॉर्ड कर सकती है। जिसका काम चंद्रमा की सतह पर मौजूद खुरदरी और नुकसानदायक धूल को हटाना था। यह वही धूल है जिसने नासा के ऐतिहासिक अपोलो मिशन के दौरान वहां गए अंतरिक्ष यात्रियों की स्पेस सूट और उपकरणों को पूरी तरह से ढक दिया था।

स्थिर बनी हुई है हालत

ब्रोंकोस्पज्म बीमारी से पीड़ित हैं धर्मगुरु.... पोप फ्रांसिस

एजेंसी ▶▶ पेरिस

कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस की हालत स्थिर बनी हुई है, उन्हें पिछले दिनों डबल निमोनिया अटैक के कारण वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स से पता चलता है कि पहले की तुलना में उनकी हालत में थोड़ा सुधार जरूर है, पर अब भी उन्हें खतरे से बाहर नहीं माना जा रहा है। शुक्रवार को कुछ स्वास्थ्य जटिलताएं देखी गई थीं अब उसमें काफी सुधार है। बिना वेंटिलेटर मास्क के भी अब वह सांस ले पा रहे हैं।

चिकित्सकों की देखरेख में पोप, रख रहे नजर

फिलहाल वह लगातार चिकित्सकों की देखरेख में हैं। वेटिकन ने एक रिपोर्ट में बताया कि पोप फ्रांसिस 'ब्रोंकोस्पज्म' नामक श्वसन समस्या से पीड़ित हैं, पिछले कुछ समय से उन्हें सांस लेने में गंभीर जटिलताओं का सामना करना पड़ रहा था। ब्रोंकोस्पज्म तब होता है जब आपकी ब्रोंकाई (फेफड़ों का वायुमार्ग) को लाइन करने वाली मांसपेशियों में कसावट आ जाती है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,